RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर गुरुवार ● 05 अक्टूबर , 2023 वर्षः-11 अंक-158 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

ट्रैक पर बिना पैसेंजर 2000 किलोमीटर दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल में ट्रायल रन के बाद अब ट्रेन-ट्रैक की फिटनेस देखेंगे ; नवंबर में 3 कोच और आएंगे

भोपाल। भोपाल मेट्रो के फाइनल ट्रायल रन के बाद अब ट्रेन बिना पैसेंजर के ट्रैक पर दौड़ेगी। मेट्रो को 2 हजार किलोमीटर चलाकर ट्रैक और ट्रेन दोनों की फिटनेस देखी जाएगी। बुधवार को भी ट्रैक पर मेट्रो चलाई गई। हालांकि, अभी सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ही मेट्रो

चलेगी। उधर, नवंबर में 3 कोच और आएंगे। इन्हें भी बारी-बारी से चलाकर देखा जाएगा। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अफसरों ने बताया कि ट्रैक और ट्रेन की फिटनेस जांचने के लिए मेट्रो को कम से कम 2 हजार किलोमीटर चलाया जाता है। इसलिए ट्रायल रन के बाद अब मेट्रो को लगातार ट्रैक पर चलाया जाएगा। ऐसा शेष 26 ट्रेन (प्रत्येक में 3 कोच) के लिए भी करेंगे। नवंबर में 3 कोच की एक ट्रेन भोपाल आ जाएगी। इसके बाद हर 20-25 दिन में कोच भोपाल पहुंचने लगेंगे। मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन 3 अक्टूबर को हुआ था।

ऊंचाई पर बैठकर चीन को धूल चटाएगी भारतीय सेना

अरुणाचल में मिली जबरदस्त फायरिंग रेंज, मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

ईटानगर (एजेंसी)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच दशकों से तनाव बना हुआ है। भारत एलएसी पर अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस बीच भारतीय सेनाओं के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने

सशस्त्र बलों को वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब, सुपर फायरिंग रेंज वाली जगह प्रदान की है। अत्यंत संवेदनशील वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से 50 किलोमीटर के हवाई दायरे के भीतर अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न तरह के हथियारों और निगरानी उपकरणों के अभ्यास के लिए इस अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में स्थित दो 'फायरिंग रेंज' को सशस्त्र बलों को उपलब्ध कराया गया है। 10,000 फीट से ऊपर और एलएसी से लगभग 50 किमी दूर स्थित इन दो रेंजों का नाम कैमराला और मंडला है। दोनों रेंजों की जमीन सौंपने की अधिसूचना को मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मंजूरी दे दी है। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि 'बुलंद भारत' नाम का पहला एकीकृत निगरानी और मारक क्षमता प्रशिक्षण शुरू होगा।

सम्मानः अब केमेस्ट्री के नोबेल पुरस्कार का भी हो गया ऐलान

क्वांटम डॉट्स की खोज करने वाले तीन वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

कोपेनहेगन (एजेंसी)। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण के लिए मौंगी जी बावेंडी, लुईस ई ब्रूस और एलेक्सी आई एकिमोव को रसायन विज्ञान में 2023 नोबेल पुरस्कार देने का फैसला किया है। आज क्वांटम डॉट्स नैनोटेक्नोलॉजी के टूलबॉक्स का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। रसायन विज्ञान में 2023 का नोबेल

पुरस्कार विजेता सभी नैनोवर्ल्ड की खोज में अग्रणी रहे हैं। नैनोटेक्नोलॉजी के ये सबसे छोटे घटक अब टेलीविजन और एलईडी लैंप से अपनी रोशनी फैलाते हैं, और कई अन्य चीजों के अलावा ट्यूमर सेल्स को हटाते समय सर्जनों का मार्गदर्शन भी कर सकते हैं। रसायन विज्ञान का अध्ययन करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यह सीखता है कि किसी तत्व के गुण इस बात से नियंत्रित होते हैं कि उसमें कितने इलेक्ट्रॉन हैं। हालांकि, जब पदार्थ नैनो-डायमेंशन में सिकुड़ जाता है तो क्वांटम फेनोमेना पैदा होता हैं। ये पदार्थ के आकार से नियंत्रित होते हैं। रसायन विज्ञान 2023 में नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने इतने छोटे कण बनाने में सफलता हासिल की है कि उनके गुण क्वांटम घटना से निर्धारित होते हैं। कण, जिन्हें क्वांटम डॉट्स कहा जाता है, अब नैनोटेक्नोलॉजी में बहुत महत्व रखते हैं।

उज्जवला सिलेंडर पर मोदी सरकार का बड़ा तोहफा

अब 200 की जगह 300 रुपए सब्सिडी देगी केन्द्र सरकार

● भोपाल में 14.2 किलो वाला सिलेंडर 608 में मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना में मिलने वाली सब्सिडी को 200 रुपए/सिलेंडर से बढ़ाकर 300 रुपए/सिलेंडर कर दिया है। भोपाल में सब्सिडी के साथ 14.2 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर पहले 708 रुपए में मिल रहा था अब 608 रुपए में मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कैबिनेट मीटिंग के बाद इसकी जानकारी दी। इससे पहले अगस्त में सरकार ने एलपीजी सिलेंडर के दामों में 200 रुपए की कटौती की थी। ये कटौती सभी के लिए की गई थी। इस कटौती के बाद भोपाल में बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत 1108.50 रुपए से घटकर 903.50 रुपए हो गई थी। उज्जवला योजना के तहत अब तक देश में 9.5 करोड़ से ज्यादा कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इस स्कीम को 1 मई 2016 को उत्तर प्रदेश के बलिया में लॉन्च किया गया था। सरकार ने इस योजना की सब्सिडी पर वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 6,100 करोड़ रुपए खर्च किए थे। योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में

जमा होती है। आपको बता दें कि बीते अगस्त महीने के आखिरी हफ्ते तक दिल्ली में सामान्य ग्राहकों को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 1103 रुपये में मिल रहा था। इसके बाद सरकार ने बड़ी कटौती करते हुए 200 रुपये सस्ता कर दिया तो सिलेंडर के दाम 903 रुपये हो गए। वहीं, उज्जवला योजना के तहत आने वाले ग्राहकों को घरेलू सिलेंडर 703 रुपये में मिल रहा था। अब नई कटौती के बाद सिलेंडर की कीमत 603 रुपये हो गई है।

आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप का आगाज आज से

● कैप्टंस-डे इवेंट का आयोजन, सभी कप्तान शामिल हुए, शास्त्री ने होस्ट किया

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को क्रिकेट वर्ल्ड कप का आगाज होगा। इससे पहले, बुधवार को कैप्टंस-डे सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी टीमों के कप्तान एक मंच पर आए। इस इवेंट को पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने होस्ट किया। भारतीय क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप में अपने पहले मुकाबले से चार दिन पहले चेन्नई पहुंच गई है। भारतीय टीम को चेपॉक स्टेडियम में 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से अपना पहला मुकाबला खेलना है। अहमदाबाद

के पीएम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कैप्टंस डे सेरेमनी से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और बाबर आजम गर्मजोशी से मिलते नजर आए। दोनों कप्तान सेरेमनी में हिस्सा लेने आए हैं। वर्ल्ड कप का ओपनिंग मैच पिछले सीजन की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मैच से पहले न्यूजीलैंड की टीम ने सुबह प्रैक्टिस सेशन रखा। इंग्लैंड की टीम दोपहर के बाद प्रैक्टिस करेगी। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने दोस्तों से अनुरोध किया है कि उनसे वर्ल्ड कप मैचों के टिकट नहीं मांगे।

सिक्किम में बादल फटा, 23 जवान समेत 43 लोग लापता

5 लोगों की मौत, कैंप और 41 गाड़ियां डूबीं, राज्य को देश से जोड़ने वाला हाईवे भी बहा

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में मंगलवार देर रात बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने की वजह से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 43 लोग लापता हो गए। इनमें सेना के 23 जवान हैं। आसपास के 4 हजार लोगों को 5 राहत शिविरों में सुरक्षित पहुंचा दिया गया है। नदी से लगे इलाके में ही आर्मी कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आने के बाद बह गया और यहां खड़ी 41 गाड़ियां डूब गईं। बाढ़ की वजह से राज्य को देश से जोड़ने वाला नेशनल हाईवे एनएच-10 भी बह गया। इसकी वजह से आवागमन की सुविधा बंद हो गई है। डिफेंस चीफ के मुताबिक, ल्होनक झील के ऊपर देर रात करीब डेढ़ बजे के आसपास बादल फटा, इसके बाद लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई। नदी का जलस्तर अचानक 15 से 20 फिट तक बढ़ गया। इसके बाद नदी से लगे आसपास के इलाकों में पानी भर गया। कई घरों में भी नदी का पानी

घुस आया। लोग घर छोड़कर सुरक्षित इलाकों में चले गए। सिक्किम में बादल फटने के बाद पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग में भी बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। राज्य के मुख्य सचिव एचके द्विवेदी ने बताया- तीस्ता बैराज से तीन शव बरामद किए गए हैं। उनकी अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। गुवाहाटी के डिफेंस चीफ ने बताया कि हादसे के बाद सेना के लापता जवानों की तलाशी के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन भी अपने स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। हालांकि जानमाल के नुकसान को लेकर कोई जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

फिर आम आदमी पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया!

मनीष सिसोदिया की याचिका पर ईडी से 'सुप्रीम' सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय से मनी लॉन्ड्रिंग केस के आधार से जुड़ा सवाल किया। अदालत ने कहा कि ईडी का पूरा मामला यह है कि रकम एक राजनीतिक दल को गई। एससी ने पूछा कि इसके बावजूद आपने उस राजनीतिक दल को आरोपी नहीं बनाया है। इसका जवाब क्या देंगे। वह (सिसोदिया) लाभार्थी नहीं हैं, राजनीतिक दल लाभार्थी है। ईडी की तरफ से अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वे गुरुवार को जवाब देंगे। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा, जो भी हो, आप जवाब दीजिए। मैंने सिर्फ सवाल पूछा है। यह वो पॉइंट नहीं जो उन्होंने (अभिषेक मनु सिंघवी, सिसोदिया के वकील) सीधे तौर पर उठाया हो।

चिकित्सक आत्मीय भाव से मरीजों का इलाज करें: पटेल

राज्यपाल द्वारा बीएमएचआरसी में आकस्मिक चिकित्सा इकाई का हुआ लोकार्पण

राज्यपाल ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन जागरुकता अभियान का किया शुभारम्भ

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मरीजों के इलाज के दौरान चिकित्सक आत्मीय भाव रखें। मरीजों के स्वस्थ होने में चिकित्सकों का मधुर व्यवहार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चिकित्सकों को मरीजों का इलाज अपने परिजनों की तरह करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोगियों के स्वास्थ्य लाभ और उनकी बेहतरी के लिए चिकित्सकों के आचरण में सहानुभूति और संवेदनशीलता बहुत जरूरी है।

बीएमएचआरसी के चिकित्सक इस दिशा में संवेदनशील पहल करते हुए पीड़ित मानवता की सेवा का आदर्श प्रस्तुत करे। राज्यपाल श्री पटेल आज भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र की आकस्मिक चिकित्सा इकाई और नवनिर्मित गांधी वीथिका के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन जागरुकता अभियान का शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ उप महानिदेशक आईसीएमआर (एम्स दिल्ली) श्रीमती मनीषा सक्सेना मौजूद थीं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि जीवन संकट के दौरान समय पर मिलने वाला इलाज जीवनदान होता है। जरूरी है कि चिकित्सा केंद्र में जो भी संकटग्रस्त व्यक्ति आए, वह जल्द स्वस्थ होकर घर लौटे।

मानवसेवा में आज तकनीक का योगदान महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के लिए आकस्मिक चिकित्सा इकाई में रेड, येलो और ग्रीन जोन के द्वारा रोगियों की गम्भीरता के आधार चिन्हित कर उपचार की व्यवस्था करना सराहनीय नवाचार है। अब मरीजों को बेहतर उपचार संभव होगा।

जुन्नारदेव, सौसर और अमरवाड़ा में कांग्रेस की बढ़ गई है मुश्किल

वर्तमान विधायकों का बढ़ा विरोध, दूसरे गुट के नेता हुए सक्रिय, पर्यवेक्षक के सामने किया विरोध

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। जिस तरह से भाजपा में घोषित प्रत्याशियों के खिलाफ दूसरा धड़ा ऐक्टिव हो गया है वहीं कांग्रेस में भी कुछ ऐसा ही हाल देखने को मिल रहा है। जुन्नारदेव, सौसर और अमरवाड़ा में वर्तमान विधायकों का पार्टी में तेजी से विरोध हो रहा है, कुछ नेता वर्तमान विधायकों से इस कदर नाराज है कि जगह-जगह अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए गुटबाजी करने लगे हैं। ऐसे में पार्टी के सामने ऐसे संतुष्ट नेताओं को मनाना सबसे बड़ी चुनौती साबित हो रही है। बात यदि अमरवाड़ा विधानसभा की करें तो यहां विधायक राजा कमलेश प्रताप शाह के खिलाफ पार्टी के कुछ नेता लगातार लामबंद हो गए हैं और वह विधायक के रवैया पर सवाल उठा रहे हैं। पिछले दिनों कुछ नेता भोपाल पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सामने अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके थे। हालांकि बताया जा रहा है कि इसमें पार्टी डैमेज कंट्रोल करते हुए ऐसे असंतुष्ट नेताओं को समझने का प्रयास कर रही है। कुछ ऐसे ही हाल सौसर में भी देखने को मिल रहा है। यहां विधायक विजय चौरे के खिलाफ दूसरा धड़ा ऐक्टिव हो गया है पिछले दिनों 8 से 10 नेता भोपाल पहुंचे थे जहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सामने विधानसभा चुनाव में नए नेता को टिकट देने की मांग की थी। हालांकि भोपाल से इसको लेकर कोई खास संकेत नहीं मिला की टिकट बदली जाएगी लेकिन स्थानीय स्तर पर भी विरोध कर रहे हैं।

आदि कैलाश में पहली बार बजी फोन की घंटी, उत्साह

● पीएम मोदी के उत्तराखंड दौरे से पहले लगा बीएसएनएल का टॉवर

देहरादून/पिथौरागढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित उत्तराखंड दौरे से पहले बीएसएनएल ने ज्योलिकांग (आदि कैलाश) में टू जी की स्थायी सेवा शुरू कर दी है। मंगलवार को सेवा शुरू होने पर आदि कैलाश में पहली बार फोन की घंटी बजी। पिथौरागढ़ में प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए बीएसएनएल ने यहां पर अस्थायी रूप से छोटा टावर लगाया है। उत्तराखंड में 15,800 फुट की उंचाई पर चीन सीमा से लगे ज्योलिकांग में मंगलवार को जब पहली बार फोन की घंटी बजी तो यहां के ग्रामीण खुशी से झूम उठे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 और 12 अक्टूबर को पिथौरागढ़ जिले में कार्यक्रम प्रस्तावित है। पीएम का 11 अक्टूबर को चौदास घाटी के नारायण आश्रम और दूसरे दिन आदि कैलाश और ओम पर्वत का कार्यक्रम प्रस्तावित है। आदि कैलाश क्षेत्र में अब तक संचार की कोई सुविधा नहीं थी लेकिन पीएम के दौरे को देखते हुए बीएसएनएल का टॉवर यहां पर लगाया गया है। यहां

1440 मेगावॉट की पम्पड हाइड्रो स्टोरेज ऊर्जा भंडारण परियोजना का शिलान्यास

नीमच जिले के ग्राम खेमला में 10 हजार करोड़ के निवेश से संचालित होगी परियोजना

● लगभग 4 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार, मुख्यमंत्री कार्यक्रम में वर्चुअली हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ऊर्जा हमारी आवश्यकता है किन्तु आवश्यक यह है कि ऊर्जा का उत्पादन पर्यावरण संरक्षण के साथ हो। हमारी सरकार ऊर्जा संरक्षण के लिये प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है। हमने इस क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित किये हैं। इस दिशा में आज नया इतिहास बनने जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान नीमच जिले में 1440 मेगावाट की पम्पड हाइड्रो स्टोरेज ऊर्जा भंडारण परियोजना का निवास कार्यालय भवन समत्व से वर्चुअली शिलान्यास कर संबोधित कर रहे थे। ग्रीनको ग्रुप द्वारा नीमच जिले के ग्राम खेमला तहसील रामपुरा में 10 हजार करोड़ के निवेश से स्थापित होने वाली यह परियोजना जून 2025 तक कार्य

आरंभ कर देगी। परियोजना की क्षमता को 1920 मेगावाट तक बढ़ाया जाएगा। यह भारत की सबसे बड़ी पंपयुक्त हाइड्रो स्टोरेज ऊर्जा भंडारण परियोजना होगी।

परियोजना से लगभग 4 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा, साथ ही प्रदेश के हजारों लोगों के लिए कौशल उन्नयन और स्थानीय क्षेत्र के आर्थिक विकास जैसे अन्य लाभ भी होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंचामृत के संकल्प में वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट नवकरणीय ऊर्जा क्षमता, नवकरणीय ऊर्जा के माध्यम से अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति और 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य रखे हैं। राज्य शासन सौर, पवन, जल ऊर्जा का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। प्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार करने में भी अग्रणी रहा है। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में यह पम्पड स्टोरेज परियोजना नींव का पत्थर सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए निवेशकों का स्वागत है।

नवकरणीय ऊर्जा संयंत्र निर्माण क्षेत्र में भी देश में मध्यप्रदेश अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा। समत्व भवन में हुए कार्यक्रम में प्रमुख सचिव नवकरणीय ऊर्जा संजय दुबे, ग्रीनको परियोजना के प्रबंध संचालक अनिल चलामलशेट्टी, कार्यकारी निदेशक बंडारू नरसिंह राव तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। नीमच में हुए प्लांट के भूमि पूजन कार्यक्रम में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग, विधायक अनिरुद्ध मारु शामिल हुए।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

गुरुवार ● 05 अक्टूबर 2023, इंदौर

संक्षिप्त समाचार

गांधी जयंती पर किया पौधरोपण

हरदा(निप्र)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को वार्ड क्रमांक 25 के बाल गोपाल गणेश दुर्गा उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। वहीं नवरात्रि पर्व पर होने वाले कार्यक्रम की योजना तैयार की। इस दौरान सतीश चौहान, रणजीत राजपूत, विक्की चौहान, आयुष्य सैनी, आकाश मराठा, रिंकू मराठा, आदर्श, अनुज, कृष्णा, छोटू, बरेठा, संतोष, अमित सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन विकास खंडों के ग्रामों में विकास रथ के माध्यम से किया जा रहा योजनाओं का प्रचार-प्रसार

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विदिशा जिले के तीन विकास खंडों में एक साथ विकास रथों के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सिरोंज, लटेरी और कुरवाई विकास खंड के ग्रामीण जन उत्सुकता के साथ विकास रथ के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। विकास रथ द्वारा शासन के कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया। विकास रथ द्वारा एलईडी के माध्यम से मध्यप्रदेश में विगत बीस वर्षों में हुए कृषि विकास , शैक्षणिक विकास, अधोसंरचनात्मक, विद्युत वितरण की बेहतर व्यवस्था एवं सिंचाई के क्षेत्र में हुए बेहतर कार्यों को प्रदर्शित किया गया। इसी प्रकार मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, कृषि कल्याण योजनाएं, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, जनजातीय वर्गों के उत्थान के लिए किए गए बेहतर प्रयास सहित शासन की अन्य जनहितकारी योजनाओं तथा क्रियान्वयन कार्यों को प्रदर्शित किया जा रहा है।

सरकार और प्रशासन को जगाने धरना स्थल पर चलाया चरखा

हरदा(निप्र)। फसल नुकसान के सर्वे व राहत राशि की मांग को लेकर जिला किसान कांग्रेस का धरना सोमवार को चौथे दिन भी जारी रहा। इस दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। धरना स्थल पर चरखा चलाकर सरकार और प्रशासन को जगाने का प्रयास किया। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मोहन विश्नोई ने बताया किसानों के खेतों की सोयाबीन की कटाई शुरू हो चुकी है। प्राथमिक तौर पर सोयाबीन का उत्पादन कम निकल रहा है। समय रहते शासन, प्रशासन ने नुकसान का सर्वे नहीं कराया है। अब एक सप्ताह में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लग जाएगी। इसके बाद किसानों को सर्वे की उम्मीद कम है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 30 सितंबर को किसानों को वर्ष 2022 खरीफ का बीमा डालने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक किसान इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत टाले, किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश यादव, प्रमिला सिंह ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्रामीण अंचल में निवासरत श्री राकेश को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मिली पक्की छत

विदिशा(निप्र)। ग्रामीण अंचलों में कच्ची झोपड़ी या खपरैल वाले घरों में रहने वाले नागरिकों को भी पक्की छत मिल सके इसके लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण भरपूर मदद कर रही है। इस योजना से हितग्राही श्री राजेश पुत्र श्री माखनलाल लाभान्वित हुए हैं और आज उन्हें गृह प्रवेश भी कराया गया है। विदिशा जिले की कुरवाई जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सीहोरा में निवासरत श्री राकेश बरसों से सपना संजोय बैठे थे कि काश उनकी भी पक्की छत होती तभी उन्हें पता चला कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत उनका पक्का मकान बनने का सपना पूरा हो सकता है। उन्होंने त्वरित आवेदन किया और आज उनका पक्का मकान बनकर तैयार है। अब वह बिना किसी परेशानी के पक्के मकान में अपने परिवार समेत निवास कर सकेंगे। हितग्राही ने बताया कि पूर्व में वह कच्चे मकान में निवास करते थे। कच्चे मकान में बारिश और सर्दी के मौसम में बड़ी परेशानियां होती थी। साथ ही साथ बारिश में उत्पन्न होने वाले कीड़े कांटों का भी घर में प्रवेश करने का खतरा बना रहता था। लेकिन अब यह परेशानी हल हो चुकी है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से पक्का मकान बन जाने से हितग्राही श्री रकेश प्रसन्न हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की ओर इस योजना के लिए धन्यवाद प्रेषित किया है।

स्वच्छता ही सेवा है अभियान के अंतर्गत बैंकर्स द्वारा किया गया श्रमदान

गुना(निप्र)। स्वच्छता ही सेवा है अभियान के अंतर्गत आज गुना जिले स्थित सभी सरकारी बैंक द्वारा गुना में विभिन्न स्थानों पर श्रमदान कर साफ-सफाई में भागीदारी की गयी। भारतीय स्टेट बैंक के लीड बैंक अधिकारी श्री प्रवीण गुजरे द्वारा बताया गया की भारत सरकार के वित्त विभाग द्वारा प्रदत्त विशेष निर्देशन में आज प्रातः 10.00 बजे से 11.00 बजे तक सभी सरकारी बैंक के कर्मचारियों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को मजबूत करने और सभी नागरिकों के लिए स्थायी स्वच्छता सेवाएं प्रदान करने लोगों को एकजुट करने के लिए एक त्वरित राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तहत लाभांवित हितग्राही के परिवार को कराया गृह प्रवेश

विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आज विदिशा जिले के अहमदपुर कस्बा ग्राम के हितग्राही श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा का परिवार लाभान्वित हुआ है। योजना अंतर्गत आज उनका पक्का मकान बनकर तैयार हो गया है। मकान बन जाने पर गृह प्रवेशम् कार्यक्रम अंतर्गत अतिथियों के द्वारा उन्हें गृह प्रवेश कराकर शुभकामनाएं दी गई हैं। हितग्राही के परिवार के द्वारा भी अतिथियों का गृह प्रवेश कराने के लिए अभिनंदन व्यक्त किया गया है। हितग्राही श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा पहले कच्चे मकान में निवास करते थे योजना अंतर्गत आवेदन करने के उपरांत किस्तों के माध्यम से राशि जारी की गई और आज उनका पक्का मकान बनाकर तैयार हो गया है। सिर के ऊपर पक्की छत मिल जाने पर हितग्राही श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की और धन्यवाद प्रेषित किया है। उन्होंने बताया कि वह जब कच्चे मकान में निवास करते थे उस समय उन्हें बारिश के मौसम में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता था लेकिन योजना तहत लाभ मिल जाने पर पक्का मकान बन गया है तो अब उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी।

ग्रामीण अंचल में निवासरत श्री राकेश को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मिली पक्की छत : ग्रामीण अंचलों में कच्ची झोपड़ी या खपरैल वाले घरों में रहने वाले नागरिकों को भी पक्की छत मिल सके इसके लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण भरपूर मदद कर रही है। इस योजना से हितग्राही श्री राजेश पुत्र श्री माखनलाल लाभान्वित हुए हैं और आज उन्हें गृह प्रवेश भी कराया गया है। विदिशा जिले की कुरवाई जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सीहोरा में निवासरत श्री राकेश बरसों से सपना संजोय बैठे थे कि काश उनकी भी पक्की छत होती तभी उन्हें पता चला कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत उनका पक्का मकान बनने का सपना पूरा हो सकता है। उन्होंने त्वरित आवेदन किया और आज उनका पक्का मकान बनकर तैयार है। अब वह बिना किसी परेशानी के पक्के मकान में अपने परिवार समेत निवास कर सकेंगे।

हितग्राही ने बताया कि पूर्व में वह कच्चे मकान में निवास करते थे। कच्चे मकान में बारिश और सर्दी के मौसम में बड़ी परेशानियां होती थी। साथ ही साथ बारिश में उत्पन्न होने वाले कीड़े कांटों का भी घर में प्रवेश करने का खतरा बना रहता था। लेकिन अब यह परेशानी हल हो चुकी है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से पक्का मकान बन जाने से हितग्राही श्री रकेश प्रसन्न हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की ओर इस योजना के लिए धन्यवाद प्रेषित किया है।

क्रिटिकल केयर सेन्टर का वर्चुअल शिलान्यास

विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत अवसंरचना मिशन अंतर्गत विदिशा के अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में क्रिटिकल केयर सेन्टर का वर्चुअल भूमिपूजन एवं शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ सुनील नंदेश्वर ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा आज अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में 16.66 करोड की लागत से आधे से अधिक एकड़ में बनने वाले क्रिटिकल केयर सेन्टर का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। उक्त सेन्टर मेडिकल कॉलेज के आक्सीजन प्लांट के समीप रिक्त भूमि पर बनाया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज के हॉल में आयोजित कार्यक्रम में ग्वालियर से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने, सुनने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। इससे पहले कार्यक्रम को शमशाबाद विधायक श्रीमती राजश्री सिंह ने सम्बोधित करते हुए कहा कि जिले में मेडिकल कॉलेज बन जाने से चिकित्सा के क्षेत्र में ख्याति अर्जित हुई है। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री मुकेश टण्डन ने कहा कि किसी भी देश की समृद्वि का पहला कदम वहां के रहवासियों का बेहतर स्वास्थ्य का होना है। आदमी का जब स्वास्थ्य ठीक रहता है तभी वह अन्य कार्यो में जी जान से मेहनत कर सकता है। मुख्यमंत्री जी ने विदिशा जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में आशातीत बढोतरी की है। उन्होंने जिले में मेडिकल कॉलेज की सौगात देकर स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में नया कदम जोडा है। श्री टण्डन ने कहा कि कोरोना काल के दौरान मेडिकल कॉलेज की उपयोगिता स्वंय से जुडी है अब लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज दिन प्रतिदिन ख्याति अर्जित करता जा रहा है उन्होंने मेडिकल कॉलेज के चिकित्सको व समस्त स्टाफ के कार्यो की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, अपर कलेक्टर श्री अनिल डामोर, मेडिकल कॉलेज के एमएस डॉ डीडी परमहंस के अलावा अन्य चिकित्सकगण व मेडिकल कॉलेज का स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का संचालन एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने किया जबकि आगंतुको के प्रति आभार मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ सुनील नंदेश्वर ने व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत जिले के 4060 नवनिर्मित आवासों में गृह प्रवेश कराया गया

विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आज ग्वालियर में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत दो लाख से अधिक पीएम आवासों का गृह प्रवेशम् एवं 19,000 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है। उक्त कार्यक्रम का सीधा प्रसारण विदिशा जिले की जनपदों व ग्राम पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों में भी किया गया है, जिसे लाभान्वित हितग्राहियों व ग्रामीण जनों के द्वारा देखा और सुना गया है। उक्त कार्यक्रम विदिशा जिले की समस्त जनपद ग्राम पंचायत में भी आयोजित कर नवनिर्मित आवासों में हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आज विदिशा जिले में कुल 4060 नवनिर्मित आवासों में लाभान्वित हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों के द्वारा गृह प्रवेश कराया गया है, जिसमें जिले की सात जनपद पंचायत क्रमशः बासौदा में 317, ग्यारसपुर में 360, कुरवाई में 445, लटेरी में 714, नटेरन में 809, सिरोंज में 873 और विदिशा जनपद पंचायत में कुल 542 इस प्रकार जिले की सातों जनपद पंचायतों में कुल 460 नवनिर्मित आवासों में गृह प्रवेश कराया गया है।

जुए के फड़ पर दबिश, पकड़ के डर से छतों से कूदे जुआरी, दो के हाथ-पैर टूटे

दतिया(निप्र)। जिले में जुआ और सट्टा को लेकर चल रहे अभियान के तहत रविवार देर रात कोतवाली पुलिस ने बुंदेला कॉलोनी में संजीव कड़ेरे के मकान में चल रहे जुआ के फड़ पर दबिश दी। पुलिस के पहुंचते ही कुछ जुआरी छत के रास्ते कूदकर भागे। इनमें से एक जुआरी के पैर टूट गए। घटना रात सवा 11 बजे की बताई गई। पुलिस ने मौके से तीन जुआरियों को गिरफ्तार कर नगदी जब्त की। वहीं घायल जुआरी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद झांसी रैफर कर दिया गया। जिले भर में जुआ पर हुई कार्रवाई में पुलिस ने 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रविवार रात कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि बुंदेला कॉलोनी में छात्रावास के पास स्थित संजीव कड़ेरे के मकान में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं।

पुलिस ने मौके पर दबिश दी और जुआ खेल रहे जितेंद्र कड़ेरे, विवेक पाल और बीपराज अहिरवार निवासी हीरानगर कॉलोनी को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 1600 रुपए व ताश गड्डी जब्त की। जबकि एक जुआरी दम्मू कुशवाहा निवासी दम्मू का बाग पुलिस से पकड़े जाने के डर से छत के रास्ते कूद गया जिससे उसके दोनों पैर टूट गए। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद झांसी रैफर कर दिया गया। सेंवढ़ा थाना पुलिस ने रविवार रात 10 बजे अनूपगंज सेंवढ़ा में दबिश दी। पुलिस ने यहां जुआ खेल रहे हरप्रसाद सोनकर, चंद्रशेखर, बंटी जाटव, विकास सोनी, हरविकास सोनकर, गोविंद यादव को गिरफ्तार कर 6850 रुपए व ताश गड्डी जब्त की। भगुवापुरा जिगना पुलिस ने स्कूल के सामने गोपालपुरा में जुआ खेल रहे धर्मेंद्र पुत्र कल्याण, राकेश पुत्र देव सिंह, सुनील पुत्र नारायणदास और देवेंद्र पुत्र प्रभुदयाल को गिरफ्तार कर 710 रुपए जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। पकड़े गए जुआरियों से पुलिस ने कुल 9980 रुपए और ताश गड्डी जब्त कर जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

क्षत्रिय राठौर समाज के क्षेत्रीय संगठन की कार्यकारिणी का गठन

अजय राठौर बने मीडिया प्रभारी, अशोक राठौर को मिला संगठन मंत्री का दायित्व

हरदा(निप्र)। राठौर समाज के मांगलिक भवन में एक सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें समाज के नवनियुक्त अध्यक्ष शिवनारायण राठौर ने क्षेत्रीय संगठन की प्रबंध कार्यकारिणी का गठन किया।समाज के जिलाध्यक्ष राठौर ने बताया कि बैठक में सामाजिक एकता एवं भविष्य में होने वाले सामाजिक आयोजनों को लेकर चर्चा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से बृजमोहन राठौर सिरकम्बा व तोताराम राठौर खिरकिया को उपाध्यक्ष,नागेश राठौर को सचिव,जयनारायण राठौर को कोषाध्यक्ष,मनोज राठौर को सहसचिव, अनिल राठौर कमताडा को उप कोषाध्यक्ष, प्रचार मंत्री मुकेश राठौर,संगठन मंत्री अशोक राठौर,,संयोजक ओमप्रकाश राठौर,सह संयोजक एवं मीडिया प्रभारी अजय राठौर रहटगांव को मनोनीत किया गया है सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज की मजबूती एवं नई दिशा देने का संकल्प लिया।

बस दुर्घटना में घायल महिला की मौत

हरदा(निप्र)। सोमवार शाम को नर्मदापुरम खंडवा स्टेट हाईवे पर ग्राम मसनगांव व कांकरिया के बीच में बस पलटने से करीब 24 यात्री बुरी तरह से घायल हो गए थे। इसमें से चारुवा निवासी एक महिला सरोजबाई (50) की इंदौर में उपचार के दौरान मौत हो गई है। गौरतलब है कि जम्भ शक्ति बस सोमवार को खिरकिया से हरदा की ओर आ रही थी।लेट होने के चलते बस चालक तेज रफ्तार से बस चला रहा था इस दौरान बस तीन पलटी खाकर सड़क किनारे एक खेत में जाकर सीधी हो गई थी। जिसमें करीब 24 से अधिक यात्रियों को चोटें आई थीं। मृतका के बेटे दूसरे नंबर के बेटे नितिन राय ने बताया कि बीती 29 सितंबर को जिला अस्पताल में उनकी पत्नी ने सीजर से बेटे को जन्म दिया है।

उन्ही की साल संभाल के लिए मां सरोजबाई चारुवा से हरदा आ रही थी। उन्होंने बताया कि उनकी मां छीपाबड़ से बस में सवार हुई थी। इस दौरान बस के पलटने से मां को सिर और नाक में गम्भीर चोटें आई थी। जिसके चलते उन्होंने हरदा के सिटी नर्सिंग होम में अपनी मां का उपचार कराया, लेकिन उनकी हालत गम्भीर होने के चलते डॉक्टर्स ने उन्हें इंदौर रैफर कर दिया। रात 9 बजे गम्भीर हालत में इंदौर के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी रात 10 बजे के आसपास मौत हो गई। उन्होंने बताया कि वे तीन भाई है और चारुवा में किराना दुकान का संचालन करते हैं। महिला की मौत के बाद ग्रामीणों में खासा आक्रोश है।

ग्रामीणों ने पुलिस ने लापरवाही पूर्वक बस चलाने वाले ड्राइवर पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बस चालक की लापरवाही से 30 से अधिक लोगों की जान जोखिम में पड़ गई।वही उनके गांव की एक महिला को अपनी जान गवानी पड़ी है। महिला की मौत के बाद गांव में मातम छा गया है।

चरखा चलाया, बापू के भजन गाए, श्रमदान कर वार्डों में की साफ- सफाई

हरदा (निप्र)। जिला, ब्लॉक कांग्रेस व एनएसयूआई, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मागांधी और पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए। एनएसयूआई ने अन्नापुरा स्कूल स्थित बापू की कुटिया में चरखा जलाया और भजन गाए। संगठन ने सुबह वार्डों में श्रमदान कर सफाई की। जिला कांग्रेस व ब्लॉक कांग्रेस ने घंटाघर चौक पर कार्यक्रम आयोजित कर बापू को याद किया।

एनएसयूआई जिलाध्यक्ष योगेश चौहान ने बताया अन्नापुरा स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बापू का चरखा चलाया। वैष्णव जन तो तेने कहिए, रामधुन गाई। इस दौरान बापू के बताए अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में फ्रीडम फाइटर परिवार से जुड़े शैलेंद्र जलखरे, सजय अग्रवाल, राघवेंद्र पारे, डॉ. आनंद झवर, अधिवक्ता हरिमोहन शर्मा, संजय जैन व स्कूली छात्राएं मौजूद थीं। जीवन में अहिंसा के मंत्र को अपनाएं कार्यकर्ता -पटेल जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस द्वारा घंटाघर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल ने कहा कि वर्तमान में शांति की जरूरत है। बापू के अहिंसा के मार्ग को कार्यकर्ता अपनाएं। इससे कई संकट जीवन में टल जाते हैं। अहिंसा से आत्मबल मिलता है। इससे सत्य और सत्याग्रह के मार्ग पर चलने की शक्ति मिलती है। इस दौरान पूर्व नपाध्यक्ष हेमंत टाले, प्रमिला सिंह, बद्री पटेल, उत्तम तेनगुरिया, गोविंद व्यास, अजय राजपूत सहित अन्य मौजूद थे। इधर, पंचायती राज संगठन के पदाधिकारियों ने वार्डों में साफ-सफाई की। इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

तीन विकास खंडों के ग्रामों में विकास रथ के माध्यम से किया जा रहा योजनाओं का प्रचार-प्रसार

विदिशा(निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विदिशा जिले के तीन विकास खंडों में एक साथ विकास रथों के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सिरोंज, लटेरी और कुरवाई विकास खंड के ग्रामीण जन उत्सुकता के साथ विकास रथ के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। विकास रथ द्वारा शासन के कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया। विकास रथ द्वारा एलईडी के माध्यम से मध्यप्रदेश में विगत बीस वर्षों में हुए कृषि विकास , शैक्षणिक विकास, अधोसंरचनात्मक, विद्युत वितरण की बेहतर व्यवस्था एवं सिंचाई के क्षेत्र में हुए बेहतर कार्यों को प्रदर्शित किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तहत लाभांवित हितग्राही के परिवार को कराया गृह प्रवेश

विदिशा(निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आज विदिशा जिले के अहमदपुर कस्बा ग्राम के हितग्राही श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा का परिवार लाभान्वित हुआ है। योजना अंतर्गत आज उनका पक्का मकान बनकर तैयार हो गया है। मकान बन जाने पर गृह प्रवेशम् कार्यक्रम अंतर्गत अतिथियों के द्वारा उन्हें गृह प्रवेश कराकर शुभकामनाएं दी गई हैं। हितग्राही के परिवार के द्वारा भी अतिथियों का गृह प्रवेश कराने के लिए अभिनंदन व्यक्त किया गया है। हितग्राही श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा पहले कच्चे मकान में निवास करते थे योजना अंतर्गत आवेदन करने के उपरांत किस्तों के माध्यम से राशि जारी की गई और आज उनका पक्का मकान बनाकर तैयार हो गया है। सिर के ऊपर पक्की छत मिल जाने पर हितग्राही श्री लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी की और धन्यवाद प्रेषित किया है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

गुरुवार ● 05 अक्टूबर 2023, इंदौर

विधानसभा क्षेत्र-4 में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा, सूची का प्रकाशन

9 विधानसभा क्षेत्रों में 2762507 मतदाता, मतदाता सूची राजनीतिक दलों को सौंपी

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए निर्देश के अनुसार जिले में आज मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। जिले के सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों में 27 लाख 62 हजार 507 मतदाता हैं। इनमें 13 लाख 96 हजार 525 पुरुष तथा 13 लाख 65 हजार 871 महिला और 111 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ इलैया राजा टी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक में इस संबंध में जानकारी दी। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची की हार्ड और सॉफ्ट कॉपी का वितरण भी किया। बैठक में उन्होंने बताया कि सभी सहयोग से जिले में पूरी तरह से पारदर्शी और पूर्ण रूप से शुद्ध मतदाता सूची तैयार की गई है। निर्धारित अवधि में दावे-आपत्तियां भी बुलाकर उनका निराकरण किया गया। मतदाता सूची का मतदान केन्द्रों पर वाचन भी बीएलओ के माध्यम से कराया गया।

बैठक में बताया गया कि जिले के विधानसभा क्षेत्र देपालपुर में कुल 267360 मतदाता हैं, इनमें 134904 पुरुष, 132449 महिला तथा 7 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इसी तरह विधानसभा क्षेत्र इंदौर-1 में कुल 363805 मतदाता हैं, इनमें 185538 पुरुष, 178266 महिला तथा एक थर्ड जेंडर मतदाता, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-2 में कुल 348806 मतदाता हैं, इनमें 176979 पुरुष, 171818 महिला तथा 9 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र इंदौर-3 में कुल 188246 मतदाता हैं। इनमें 94437 पुरुष, 93740 महिला तथा 69 थर्ड जेंडर मतदाता, विधानसभा क्षेत्र इंदौर-4 में कुल 240754 मतदाता हैं, इनमें 120349 पुरुष, 120398 महिला तथा 7 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र इंदौर-5 में कुल 413447 मतदाता हैं, इनमें 208588 पुरुष, 204853 महिला तथा 6 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।

विधानसभा क्षेत्र डॉ अम्बेडकर नगर महू में कुल 281856 मतदाता हैं। इनमें 142889 पुरूष, 138960 महिला तथा 7 थर्डजेंडर मतदाता, विधानसभा क्षेत्र राऊ में कुल 355844 मतदाता हैं, इनमें 179693 पुरूष, 176147 महिला तथा 4 थर्डजेंडर मतदाता तथा विधानसभा क्षेत्र सांवेर में कुल 302389 मतदाता हैं, इनमें 153148 पुरूष, 149240 महिला तथा एक थर्डजेंडर मतदाता शामिल हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में मतदाता सूची में पुनरीक्षण के तहत कुल तीन लाख 37 हजार 709 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें नाम जोड़ने संबंधी फॉर्म-6 के 168409, नाम निरसन संबंधी फॉर्म-7 के 46555 तथा प्रविष्टि में सुधार के फॉर्म-8 के 120259 आवेदन शामिल हैं।

निर्वाचन व्यय की दरों का निर्धारण

विधानसभा निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थियों और राजनीतिक दलों द्वारा प्रचार-प्रसार, सभा, रैली सहित अन्य आयोजनों और गतिविधियों पर किये जाने वाले खर्च के आंकलन के लिये सामग्रियों और अन्य वस्तुओं की दरों के निर्धारण के लिये आज इस बैठक के पूर्व बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी ने की।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अपर कलेक्टर राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में टेंट, साउड सिस्टम, हार-फूल, फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर, अन्य प्रचार सामग्री, खाद्य सामग्री, विज्ञापन दरों आदि का निर्धारण कर उसे अंतिम रूप दिया गया।

जनसुनवाई में कई जरूरतमंदों की उम्मीदों को पंख लगे, मदद मिली

कलेक्टर ने मौजूद दिव्यांगों की समस्याओं को सुना, हल किया

इंदौर। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में हुई जनसुनवाई में कई जरूरतमंदों की उम्मीदें पूरी हुई। कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी तल मंजिल पर बैठे दिव्यांगों के बीच पहुंचे, उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका हाथों-हाथ निराकरण किया। उन्होंने शिक्षा, रोजगार और अन्य कार्यों में मदद के लिये 70 दिव्यांगों को रेट्रोफिटिंग स्कूटी स्वीकृत की। उन्होंने अनेक जरूरतमंदों को रेडक्रॉस के माध्यम से तत्कालिक आर्थिक सहायता भी मंजूर की।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों विशेषकर दिव्यांगों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में स्नेहलतागंज में रहने वाले जयप्रकाश भारती ने कलेक्टर को बताया कि मैं दिव्यांग हूँ, मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं हैं। मुझे अनेक बीमारियां हैं। मैंने पैर के कई बार ऑपरेशन कराने पर कोई फायदा नहीं हुआ। इलाज के लिए अभी सहायता की आवश्यकता हैं। कलेक्टर ने तुरंत ही रेडक्रॉस से दस हजार रुपये की मदद स्वीकृत की।

विज्ञान नगर में रहने वाले राजकुमार बागवाले ने बताया कि मैं किराये के घर में रह रहा हूँ। पिछले छः माह से बेरोजगार हूँ। मैं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा हूँ। मुझे तात्कालिक सहायता की जरूरत हैं। कलेक्टर ने इन्हें भी दस हजार रुपये की मदद स्वीकृत की और निजी कंपनी में जॉब दिलाने की व्यवस्था करने के निर्देश संबंधी अधिकारियों को दिये। शाहजहां कॉलोनी खजराना में रहने वाले दिव्यांग फिरोज खान को भी तात्कालिक जरूरत की पूर्ति के लिये पांच हजार रुपये की मदद स्वीकृत की। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सपना लोवंशी तथा रोशन राय सहित अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनका यथासंभव निराकरण किया।

तिलक नगर से रिंग रोड़ तक की सड़क का भूमि पूजन आज होगा

2.60 करोड़ की लागत से पूरी होगी मास्टर प्लान की यह सड़क

इंदौर। शहर के पूर्वी इलाके तिलक नगर से रिंग रोड़ को जोड़ने वाली मास्टर प्लान की सड़क का भूमिपूजन कल 5 अक्टूबर को होगा। इस सड़क के बनने से कनाडिया रोड़ पर यातायात का दबाव कम होगा साथ ही तिलक नगर से सीधे रिंग रोड़ पर पहुंचा जा सकेगा। क्षेत्र के पार्षद और एमआईसी मेंबर राजेश उदावत ने बताया की मास्टर प्लान की यह सड़क पलासिया से रिंग रोड़ तक पहुंच मार्ग का एक बड़ा हिस्सा पलासिया से तिलक नगर तक पूर्व में बन चुका है। शेष हिस्सा तिलक नगर श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल से महावीर नगर पानी की टंकी तक लगभग 2 करोड़ 60 लाख की लागत से 60 फ़ीट चौड़ी सीमेंट की सड़क का 5 अक्टूबर को शाम 7 बजे महापौर पुष्यमित्र भार्गव व क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र हार्डिया द्वारा किया जाएगा।

नवरात्रि का चंदा मांगने गए युवक के साथ लात घूंसों से मारपीट व जान से मारने की धमकी, एफआईआर दर्ज

इंदौर।

नवरात्री का चंदा मांगने गए रितेश त्रिपाठी पिता रमाकांत त्रिपाठी निवासी श्रीविनायक टाउनशिप देवगुराड़िया से आरोपी अनिकेत गोयल व उसके भाई साहिल गोयल पिता विजय गोयल ने लात घूंसों के साथ मारपीट की जिससे रितेश को अंदरूनी चोटें आईं। घटना दिनांक 3 अक्टूबर को रात 10:15 बजे की है। घटना में भारतीय दंड संविधान के तहत धारा 294, 323, 506, 34 के तहत एफआईआर दर्ज कर मामले जांच की जा रही है।

इंदौर के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को देखकर बांग्ला देश का दल चमत्कृत

निगम आयुक्त ने शहर के स्वच्छता अभियान की प्रेजेंटेशन से जानकारी दी

इंदौर। स्वच्छता में छठी बार नंबर-वन इंदौर शहर की स्वच्छता एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को देखने के लिए देश के विभिन्न प्रदेश, शहर के जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी आ रहे हैं। इस क्रम में बांग्ला देश के विभिन्न जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों के 13 सदस्यीय दल ने मंगलवार को सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट सिस्टम के विभिन्न स्थानों का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन की श्रद्धा तोमर, एनजीओ के दीपक साहू व अन्य उपस्थित थे।

बांग्ला देश के निरोदचंद्र मंडल ज्वाइंट सेक्रेटरी पॉवर डिविजन मिनिस्ट्री ऑफ पॉवर एनर्जी एंड मिनल रिसोर्स एंड एनपीडी बांग्लादेश, मोहम्मद इमीन खान डिप्टी सेक्रेटरी मिनिस्ट्र ऑफ एग्रीकल्चर, मोहम्मद सेफुल इस्लाम मजुमदार ज्वाइंट सेक्रेटरी ऑफ लोकल गर्वमेंट, कुरेशी महमुदीन, मोहम्मद रहमान, ममुनुर रशीद, सनवोर रहमान, अमीर रहमा, सिद्धीकी जोबीर, शबीना लबिब, तनवीर मसूद, अब्दुल कलाम रईद, फेसल महमूद खान सहित बांग्ला देश के विभिन्न शहरों के जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों के दल द्वारा सिटी बस ऑफिस में आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह से सौजन्य भेंट की गई। इस अवसर पर आयुक्त द्वारा इंदौर के स्वच्छता अभियान की प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से इंदौर के स्वच्छता अभियान के विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार से पूर्व में इंदौर में जगह-जगह कचरा पेटियां हुआ करती थी। कचरा पेटी के आस-पास कचरे के ढेर लगे होते थे। इसके बाद इंदौर ने स्वच्छता अभियान के तहत इंदौर को कचरा पेटी से मुक्त करते हुए, शहर के चिंहित वार्ड में पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन चलाए। जिनका जीपीएस सिस्टम के माध्यम से मॉनिटरिंग किया जा रहा है। सभी कचरा संग्रहण वाहन अपने निर्धारित रूट व समय पर अपने कार्य क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। शहर को ओडीएफ मुक्त कैसे किया, पहले गीला-सूखा कचरा संग्रहित किया जाता है। अब हर दिन 6 डस्टबिन की तर्ज पर 6 प्रकार का कचरा संग्रहित किया जा रहा है। थैला बैंक, बर्तन बैंक, डिस्पोजल फ्री क्षेत्र, जीरो वेस्ट इवेंट, जीरो वेस्ट शादी, नाला सफाई अभियान, नाला क्रिकेट, नाला मेडिकल चेकअप, नाला फुटबॉल, नाला दंगल व अन्य गतिविधियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनो से संग्रहित कचरे को गारबेज कचरा ट्रांसफर स्टेशन तक किस प्रकार से पहुंचाया जा रहा है, इस सेग्रिगेट कचरे को किस प्रकार से टेऊचिंग ग्राउण्ड पर डिसेंटलाईज्ड मटेरियल रिकवरी प्लांट व ड्राय वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, कम्पोस्ट प्लांट में प्रोसेस किया जा रहा है। इसके साथ ही ट्रेंचिंग ग्राउंड में निर्माणाधीन बायागैस प्लांट के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि यह एशिया का सबसे बड़ा बायोगैस सीएनजी प्लांट है, जहां पर गीले कचरे से बायोगैस का निर्माण किया जाकर उसे लोक परिवहन में उपयोग किया जा रहा है। बांग्लादेश के विभिन्न शहरो के जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों के दल द्वारा इंदौर के सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट के तहत न्याय नगर, अमितेष नगर में डोर टू डोर कचरा संग्रहण, 6 बिन सेग्रिगेशन, स्टार चौराहा स्थित गारबेज कचरा ट्रांसफर स्टेशन, देवगुराडिया ट्रेन्चिंग ग्राउंड स्थित 400 टीपीडी मेकेनाईज्ड एमआरएफ प्लांट, 550 टीपीडी बायो सीएनजी प्लांट, 100 टीपीडी सी एंड डी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट, वेस्ट बायोमेडिटेशन साईट, सिटी बस ऑफिस स्थित आईसीसीसी कमांड सेंटर, राजबाडा में स्वच्छता मॉडल व विभिन्न प्लांट का अवलोकन किया गया।

एमवाय में महिला की मौत के मामले में कमिश्नर ने जांच के आदेश दिए

डॉक्टरों पर अधूरा इलाज कर आईसीयू से बाहर करने का आरोप

इंदौर। एमवाय अस्पताल में बड़वानी की एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में कमिश्नर ने जांच के आदेश दिए। मृत महिला परिजनों का आरोप है कि महिला के इलाज में लापरवाही बरती गई, जिससे मौत हुई। डॉक्टरों ने महिला का ठीक से पूरा इलाज नहीं किया और उन्हें आईसीयू से भी बाहर कर दिया था।

महिला जूनी इंदौर एसडीएम की रिश्तेदार थी। मामले में महिला के इलाज के लिए कलेक्टर और कमिश्नर ने एमवाय के डीन और अधीक्षक को भी फोन लगाया। लेकिन, मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष ने रात में फोन ही नहीं उठाए। परिजनों ने बताया कि 21 सितंबर को बड़वानी में सीमा पत्नी पवन (30) ने बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद इंफेक्शन हो गया तो एक अक्टूबर को एमटीएच अस्पताल लेकर गए थे। वहां से एमवाय जाने के कहा। यहां काफी देर तक महिला के इलाज के लिए भटकते रहे। इसके बाद वार्ड 25 में उसे भर्ती किया। उसे सांस लेने में परेशानी आ रही थी, लेकिन फिर भी उसे आक्सीजन नहीं दिया। बताया गया कि आईसीयू वार्ड से अन्य में उसे शिफ्ट कर दिया। हम बार-बार डॉक्टर को बुलाने के लिए कहते रहे, लेकिन कोई नहीं आया। जिससे महिला की मौत हो गई।

विधानसभा चुनाव तैयारी के बारे में नेहरू स्टेडियम का निरीक्षण

● नगर निगम आयुक्त ने जरुरी व्यवस्थाओं के निर्देश दिए

इंदौर। नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह ने इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए, नेहरू स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। इस स्टेडियम में निर्वाचन के दौरान कई कार्रवाइयां की जाती है। चुनाव सामग्री का वितरण, मतपेटियों को सुरक्षित रखने और मतों की गिनती का काम यहीं होता है।

निगम आयुक्त ने विधानसभा निर्वाचन की जरुरत के तहत नेहरू स्टेडियम में निर्वाचन सामग्री वितरण, मतदान उपरांत मतदान पेटी को सुरक्षित स्थान पर रखने के लिए स्ट्रॉग रूम के साथ ही मतदान के बाद मतपत्रों की काउटिंग के संबंध में कि जाने वाली व्यवस्थाओ के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों को नेहरू स्टेडियम में निगम स्तर से कि जाने वाली समस्त आवश्यक कार्यवाही, नेहरू स्टेडियम मे स्थित भवन, कक्षों में की जाने वाली आवश्यक मरम्मत, रंग-रोगन, साफ-सफाई, शौचालय की सफाई, आवश्यक कार्य, पार्किंग स्थल की व्यवस्था आदि के संबंध में निर्देश दिये गये। साथ ही पीडब्ल्युडी अधिकारियो को स्ट्रक्चर के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला निर्वाचन विभाग के अधिकारी, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री डीआर लोधी, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अखिलेश उपाध्याय, राकेश अखण्ड, पीडब्ल्युडी व निगम के अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सोयाबीन की कटाई का मौसम इन दिनों रंगत पर

(ऋतुराज बुड़ावनवाला)। **खाचरौद।** सोयाबीन फसल की कटाई आदिवासी क्षेत्र से आने वाले मजदूरों के बिना संभव नहीं है। क्षेत्र का पहले ही इन मजदूरों के घर जाकर एक तरफ का किराया एवं मजदूरी तय कर एडवांस पेमेंट देकर सोयाबीन कटाई के लिए इनको बांध लेता है। ये लोग प्रति बीघा 18 सौ से 2 हजार रुपए के हिसाब से मजदूरी पर काम करते हैं। प्रतिदिन शाम होते ही इनको मजदूरी का चुकाना होती है।

इन दिनों 550-600 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से एक मजदूर काम पर आ रहा है। कटाई शुरू होते ही खाचरौद तहसील में आदिवासी क्षेत्र से आने वाली ट्रेनों से उतरकर प्रतिदिन सुबह हजारों की संख्या में मजदूरों के जत्थे कृषकों के द्वारा जुटाए गए साधनों से अनेक गांवों के सैकड़ों खेतों की और कटाई करने चले जाते हैं। क्षेत्र में लगभग 75त्न सोयाबीन की कटाई हो चुकी हैं। जमीन के अनुसार तथा बरसात के समय के हिसाब से एक बीघा के खेत में तीन से चार क्विंटल सोयाबीन का औसत बैठ रहा हैं।

अनुबंध के अनुसार शाम होते ही कृषकों को खेत की मेढ़ पर ही इनकी मजदूरी का भुगतान करना पड़ता हैं। पिछले दिनों कृषि मंडियों के बंद होने से अधिकांश कृषकों ने अपने गहनें गिरवी रखकर, ब्याज पर पैसे उठाकर इनकी मजबूरी का भुगतान किया। ट्रेन से उतरने वाली मजदूरों की भीड़ के रेलवे स्टेशन जाने वाले एकमात्र मार्ग पर खड़े रहने से रास्ता पूरी तरह जाम हो जाता हैं और आने-जाने वालें पैदल यात्रियों एवं सवारी वाहनों को निकलने की राह ही नहीं मिलती, बड़ी मशक्कत करनी पड़ती हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
गुरुवार ● 05 अक्टूबर 2023, इंदौर

संपादकीय | देश की विधायिका में बड़ी संख्या में अपराध के आरोपी

लोकतंत्र को वास्तव में जमीन पर उतारने के संदर्भ में लंबे वक्त से यह बहस चलती रही है कि राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त करने के लिए क्या किया जा रहा है। ऐसा कोई राजनीतिक दल नहीं है, जो लोकतांत्रिक ढांचे में आपराधिक छवि के लोगों के जगह बनाने का समर्थन करता हो। लेकिन विचित्र यह है कि अमूमन सभी पार्टियां चुनाव के वक्त सिर्फ इस बात का ध्यान रखती हैं कि किसी सीट पर उन्हें ही जीत मिले, भले ही उसके लिए उन्हें किसी दागी या आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति को टिकट देना पड़े।

यह बेवजह नहीं है कि आज भी देश की विधायिका में एक खासी तादाद वैसे लोगों की है, जो किसी अपराध के आरोपी रहे हैं, लेकिन अब वे जनप्रतिनिधि के रूप में लोकसभा या फिर किसी विधानसभा में मौजूद हैं। सवाल है कि पिछले कई दशक से राजनीतिक हलकों से लेकर अदालतों तक में आपराधिक पृष्ठभूमि वालों के चुनाव लड़ने पर उठने वाली आपत्तियों के बावजूद आज भी संसद या विधानसभाओं के लिए ऐसे लोगों की उम्मीदवारी पर रोक क्यों नहीं लगाई जा सकी है!

इस मसले पर चुनाव आयोग की ओर से अक्सर कई स्तर पर हिदायतें दी जाती रही हैं। नामांकन के वक्त निर्धारित प्रपत्र में उम्मीदवारों की ओर से अपने अतीत का ब्योरा दर्ज कराया जाता है, जिसमें अपने आपराधिक रिकार्ड या खुद पर आरोप होने के बारे में भी बताया जाता है। इसके अलावा, चुनाव आयोग उम्मीदवारों से अपने ऊपर आपराधिक मामले सार्वजनिक रूप से जाहिर करने के लिए कहता है, जिसमें इससे संबंधित विज्ञापन देना भी शामिल है।

इसी क्रम में राजस्थान विधानसभा के लिए होने वाले चुनावों की व्यवस्था के मद्देनजर रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि उम्मीदवारों को अखबारों में विज्ञापन देकर अपने आपराधिक रिकार्ड की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। साथ ही राजनीतिक दलों को भी यह कारण बताना होगा कि पार्टी ने उस व्यक्ति को उम्मीदवार के तौर पर क्यों चुना है।

यानी अगर मतदाताओं के सामने उम्मीदवारों के अतीत और चाल-चरित्र आदि के बारे में पूरी जानकारी होगी, तो वे अपने मत की कीमत समझते हुए आपराधिक छवि के लोगों को वोट नहीं देंगे। निश्चित रूप से चुनाव आयोग की मंशा राजनीति और लोकतंत्र को अपराध की छाया से मुक्त करने की है। लेकिन देश भर में पिछले कई चुनावों के मौके पर ऐसी ही घोषणाओं के बावजूद अब तक इस तस्वीर में क्या फर्क आ सका है? हालत यह है कि एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की हाल की एक रपट के मुताबिक, चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पच्चीस फीसद गंभीर अपराध से जुड़े हैं।

आखिर क्या वजह है कि चुनाव आयोग की बार-बार की घोषणाएं जमीनी स्तर पर लागू होती नहीं दिखती हैं। सवाल यह भी है कि अगर आयोग की ओर से उम्मीदवारों को विज्ञापन देकर अपने अपराधों के बारे में बताने का निर्देश दिया जा रहा है तो क्या यह प्रकारांतर से राजनीति के अपराधीकरण को स्वीकृति देना है? ऐसे नियम क्यों नहीं बनाए जाते, जिसके तहत आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक हो और मतदाताओं के सामने आपराधिक छवि के उम्मीदवारों का विकल्प खत्म हो जाए? केवल अच्छी मंशा से किसी नियम की घोषणा करने से राजनीति में अपराधीकरण का जोर कम नहीं होगा। बल्कि लोकतंत्र को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों से बचाने के लिए ईमानदार और स्पष्ट इच्छाशक्ति के साथ नियमों को लागू करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया से...

अब कांग्रेस कह रही है कि जितनी आबादी, उसका उतना हक। मैं मैं कहता हूं कि इस देश में अगर सबसे बड़ी कोई आबादी है, तो गरीब की है। इसलिए गरीब कल्याण ही हमारा मकसद है।
नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

युवा जन सेवा मित्र देश और प्रदेश के विकास व जन कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जनता और प्रशासन के बीच कड़ी के रूप में युवाओं को जोड़ने के विचार से इस योजना का सूत्रपात हुआ।
शिवराज सिंह चौहान
सीएम मप्र

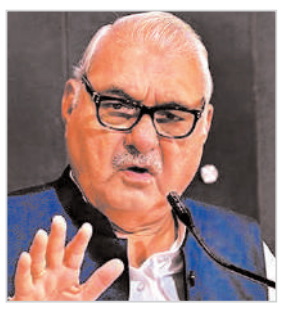

किसानों को मुआवजे और एमएसपी के लिए वंचित करना गठबंधन सरकार की अघोषित नीति है। इसलिए जानबूझकर सरकार द्वारा देरी से सरकारी खरीद शुरू की गई ताकि किसानों को एमएसपी ना मिल सके।
भूपेंद्र सिंह हुड्डा,
पूर्व सीएम हरियाणा

मीडिया पर हमला निंदनीय, प्रतिरोध की अपील: इप्टा एवं प्रलेस

नई दिल्ली। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) और प्रगतिशील लेखक संघ की राष्ट्रीय समितियों ने दिल्ली में अनेक पत्रकारों, व्यंग्यकारों, वैज्ञानिकों, इतिहासकारों और स्वतंत्र टिप्पणीकारों के घरों पर छापे, उनके लैपटॉप, कैमरे और फोन की ज़ब्ती की कड़ी भर्त्सना की है और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। यही नहीं, पुलिस ने यूएपीए के काले कानून के तहत वरिष्ठ पत्रकार प्रबीर पुरकायस्थ और अनिंद्यो चक्रबर्ती को हिरासत में ले लिया है। इप्टा अध्यक्ष प्रसन्ना, कार्यकारी अध्यक्ष राकेश महासचिव तनवीर अख्तर प्रलेसं के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी लक्ष्मी नारायणा कार्यकारी अध्यक्ष विभूति नारायण राय महासचिव सुखदेव सिंह सिरसा ने एक बयान में कहा है कि अलसुबह मुँहअँधेरे ÷न्यूज़क्लिक÷ से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार प्रबीर पुरकायस्थ, अंतरराष्ट्रीय ख्याति की साहित्यकार गीता हरिहरन, वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश, परंजॉय गुहा ठाकुर्ता, अभिसार शर्मा, अनिंद्यो चक्रवर्ती, भाषा सिंह, सोहैल हाशमी, दिलीप सीमियन, वरिष्ठ वैज्ञानिक डी. रघुनंदन आदि के घरों पर छापा मारा गया और इन लोगों के परिजनों को परेशान किया गया। पूछताछ के लिए उन्हें घंटों रोक कर रखा और शाम को उनमें से कुछ को छोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रबीर पुरकायस्थ और अनिंद्यो चक्रबर्ती पर यूएपीए की धाराएँ लगायी गई हैं। इप्टा और प्रलेसं की राष्ट्रीय समितियों का स्पष्ट मत है कि पिछले कुछ वर्षों में बी बी सी, न्यूज़लांड्री, भारत समाचार, द वायर, दैनिक भास्कर पर हमले की कड़ी में न्यूज़क्लिक को भी निशाना बनाया गया है जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। इप्टा और प्रलेस हिरासत में लिए गए सभी लोगों की तत्काल रिहाई की मांग करते हैं और अपनी इकाइयों के साथ ही अभिव्यक्ति की आज़ादी के पक्षधर सभी संगठनों को आह्वान करते हैं कि वे संयुक्त प्रतिरोध और प्रतिवाद की कार्यवाही के लिए एकजुट हों।

जातीय गणना : मनाइए पर सामाजिक विद्वेष न बढ़े

बिहार सरकार ने जातीय जनगणना से जो आंकड़े हासिल किए हैं, वह उनका क्या करेगी? इसका कुछ गड्डमड्ड-सा जवाब बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना शुरू से ही हमारी मांग रही है। अब हमारे पास जाति आधारित वैज्ञानिक डाटा आ गया है। इन आंकड़ों के आधार पर कल्याणकारी योजनाएं लाने का प्रयास करेंगे। उनका यह जवाब एक नया सवाल पैदा करता है कि क्या अभी तक उनकी सरकार को इसका अंदाजा नहीं था कि राज्य में किन्हें कल्याणकारी योजनाओं की जरूरत है? जाति के आधार पर यह कैसे पता चल सकता है कि किस जाति को कल्याणकारी योजना की जरूरत है? तो क्या यह महज वोट बैंक की राजनीति है? इसका जवाब न में होना मुश्किल है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि नीतीश कुमार और लालू यादव भले ही कभी अलग और कभी साथ में रहे हों, 30 साल से ज्यादा उनकी ही सत्ता बिहार में रही है लेकिन न ही बिहार से पलायन कम हुआ और न ही बीमारू राज्य का दर्जा हटा।

अकु श्रीवास्तव

बिहार में सरकार ने जातीय गणना के आंकड़े जारी कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इसका बिहार की जनता को क्या और किस तरह का लाभ होगा? क्या इसका कोई राजनीतिक लाभ उठाएगा? अगर उठाएगा तो कौन? सबसे बढ़कर सवाल यह है कि जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने से ऐसा क्या पता चला, जिसका पहले से अंदाजा नहीं था? यानी इसमें नया क्या है? इन सवालों के बीच एक आशंका भी छुपी है कि क्या इस तरह की कवायद बिहार में सामाजिक विद्वेष को बढ़ाने का खतरा पैदा तो नहीं कर देगी? यह लोभ की राजनीति से लाभ की तलाश है, जिसकी गुंजाइश हमेशा कम होती है।

जातीय गणना के आंकड़े जारी करने का फौरी कारण तो यह दिखाई देता है कि पिछले महीने ही मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर दशकों से लटका महिला आरक्षण बिल पारित कराया। कहीं भाजपा इसका सारा चुनावी लाभ न ले जाए, इसलिए जातीय गणना के आंकड़े जारी कर एक नए फलक पर राजनीतिक खेल खेला गया है। देश में 80 के दशक से ही कई क्षेत्रीय पार्टियां जातीय गणना पर जोर देती आ रही हैं। ऐसी मांग करने वाले नेताओं में पिछली सदी के उत्तरार्द्ध के नव समाजवादी नेताओं की पूरी जमात शामिल है। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, सपा सुप्रीमो रहे मुलायम सिंह यादव, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इन नेताओं में शामिल रहे हैं। अंततः नीतीश कुमार ने अपने राज्य में जातीय जनगणना करवा कर इसके आंकड़े भी जारी कर दिए।

आंकड़ों में नया कुछ भी नहीं निकला। पहले से ही सबको पता था कि पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की संख्या बिहार में सबसे ज्यादा है। सवर्णों की संख्या भी अनुमान के करीब ही निकली। थोड़ी चौंकाने वाली बात रही भूमिहारों की संख्या, जो 2.86 फीसदी बताई गई है, जबकि पहले दावा 7.8 फीसदी के आसपास किया जाता था। बिहार में यादव और भूमिहार दोनों ही दबंग जातियां मानी जाती हैं और दोनों ही वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ डटी रही हैं। ज्यादातर भूमिहार जमींदार हैं, बिहार में काफी सामाजिक वर्चस्व रखते हैं। यादव समाज भी पिछले 30 साल में काफी आगे बढ़ा है, प्रतिष्ठा में भी और जमीन-जायदाद में भी। नए आंकड़े भूमिहारों को दबाव में ला सकते हैं। बयानबाजी शुरू हो गई है। गणना को फर्जी बताने वाले सोशल मीडिया पर सैंकड़ों मिल जाएंगे। जैसा कि पहले से आशंका थी कि सोशल मीडिया में जाति का जहर तेजी से बढ़ने की प्रक्रिया जारी है।

बिहार सरकार ने जातीय जनगणना से जो आंकड़े हासिल किए हैं, वह उनका क्या करेगी? इसका कुछ गड्डमड्ड-सा जवाब बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना शुरू से ही हमारी मांग रही है। अब हमारे पास जाति आधारित वैज्ञानिक डाटा आ गया है। इन आंकड़ों के आधार पर कल्याणकारी योजनाएं लाने का प्रयास करेंगे। उनका यह जवाब एक नया सवाल पैदा करता है कि क्या अभी तक उनकी सरकार को इसका अंदाजा नहीं था कि राज्य में किन्हें कल्याणकारी योजनाओं की जरूरत है? जाति के आधार पर यह कैसे पता चल सकता है कि किस जाति को कल्याणकारी योजना की जरूरत है? तो क्या यह महज वोट बैंक की राजनीति है? इसका जवाब न में होना मुश्किल है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि नीतीश कुमार और लालू यादव भले ही कभी अलग और कभी साथ में रहे हों, 30 साल से ज्यादा उनकी ही सत्ता बिहार में रही है लेकिन न ही बिहार से पलायन कम हुआ और न ही बीमारू राज्य का दर्जा हटा।

ऐसे ही सवालों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक और सुर छेड़ा है। उनका कहना है कि सर्वेक्षण के दौरान हमने हर परिवार की आर्थिक स्थिति की जानकारी ली। सर्वदलीय बैठक में हम इसे रखेंगे और सबकी राय लेकर जरूरी कदम उठाएंगे। नीतीश कुमार का यह बयान भी कई नए सवाल पैदा करता है कि आखिर आर्थिक स्थिति से जुड़े आंकड़ों को क्यों साथ ही सार्वजनिक नहीं किया गया? बिहार की असली तस्वीर तो उन्हीं से सामने आती। नीतियां बनाने और स्थिति को समझने में मदद मिलती। इसने सभी का ध्यान इस तरफ खींचा है कि सरकार आखिर क्या छुपाने की कोशिश कर रही है।

जहां तक राजनीतिक लाभ की बात है, तो आंकड़े ऐसे हैं, जिनसे जद (यू) और राजद की प्रसन्नता अवश्य चौगुनी हो गई है। राज्य में पिछड़ों और महा पिछड़ों की आबादी को मिला दिया जाए तो राज्य की कुल आबादी में इनकी हिस्सेदारी 63 फीसदी हो जाती है। राज्य में सबसे बड़ी जाति यादव है, जिससे राज्य के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव संबंधित हैं। देखने में भले ही पिछड़ों और महा पिछड़ों का गणित लुभावना लग रहा हो, मगर जमीन पर इसे एकजुट करना किसी के लिए भी आसान नहीं। पिछड़ों के पास लालू यादव और नीतीश कुमार जैसे प्रभावशाली नेता हैं, मगर अति पिछड़ों के पास ऐसा कोई बड़ा नेता नहीं है। इसलिए उन्हें फ्लोटिंग वोट माना जाता है। जाति को तोड़ने के नाम पर नीतीश कुमार की अपनी कोशिशें रही हैं। दलित नेता रहे राम विलास पासवान जब उनके खेमे से अलग छिटक गए तो उन्होंने दलितों के कई खेमे कर दिए और पासवान को छोड़कर बाकी दलितों का महादलित नाम से एक अलग वर्ग खड़ा कर दिया।

बिहार समेत देश की राजनीति लंबे समय से जातिगत राजनीति के रूप में अभिशप्त है। बिहार में जाति को वोट बैंक मानने की नेताओं की लंबी परंपरा है। जाति देखकर उम्मीदवार तय किए जाते हैं। वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने 40 फीसदी टिकट यादव उम्मीदवारों को दिए थे। कुल 58 उम्मीदवार जाति से यादव थे। इसी तरह नीतीश की पार्टी में कुर्मी और कुशवाहा प्रत्याशियों का बोलबाला था। जद (यू) ने 12 सीटों पर कुर्मी और 15 पर कुशवाहा उम्मीदवार उतारे थे।

अभी तक जाति आधारित राजनीति ने बिहार में सदैव ही जातीय विद्वेष को बढ़ाया है। जिन दिनों वहां जातीय राजनीति चरम पर थी, वहां आए दिन नरसंहार होते थे। इस वजह से बिहार में बड़े पैमाने पर पढ़े-लिखे और योग्य लोगों का अन्य राज्यों की ओर पलायन हुआ। यह गणना बता रही है कि अब बिहार के अस्थायी प्रवासियों की संख्या 54 लाख के करीब है।

बिहार के नेताओं को तय करना होगा कि जातीय गणना के आंकड़ों का इस्तेमाल वोट की खातिर जातीय विद्वेष बढ़ाने के लिए न हो। जातीय गणना एक ऐसा पिटारा है, जिसके खुलने से उसमें छुपी दोधारी तलवार बाहर आ गई है। अगर इसका इस्तेमाल जातीय विद्वेष बढ़ाने के लिए किया जाता है तो यह समाज में नए झगड़ों और ड्क्षहसा को जन्म देगी। अगर आंकड़ों का इस्तेमाल जन हितैषी नीतियां बनाने के लिए किया जाए तो यह काम चुपचाप होना चाहिए, शोर मचाकर नहीं। काम जमीन पर दिखना चाहिए। वह भाषणों तक सीमित नहीं होना चाहिए। वैसे भी 2024 का चुनाव आसन्न है। भाजपा इस काट का कैसे सामना करेगी, यह देखना बाकी है। लेकिन सतर्कता जरूरी है। बयानबाजी तक तो चल जाएगा, बात बाहुबल पर आएगी तो समाज के सामने मुश्किल होगी। देश समाज से जुड़ा है और मंडल आयोग से जुड़ी 1990-91 की घटनाएं सबको याद हैं।

दिल्ली सरकार के स्कूलों में कम होती विद्यार्थियों की संख्या

दिल्ली की 'आप' सरकार ने लगभग तीन दर्जन स्कूलों को 'डाक्टर बीआर आंबेडकर स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस' का दर्जा दिया है। ये वे स्कूल हैं, जिनमें दिल्ली शिक्षा बोर्ड के तहत विशेष विषयों की पढ़ाई होती है और इनमें आधारभूत ढांचा और सुविधाएं भी अन्य स्कूलों के मुकाबले बेहतर कही जा सकती हैं। आप सरकार इन्हीं स्कूलों को देश-दुनिया के सामने रखकर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव का दम भरती है। लेकिन क्या इतने भर से पूरे शहर की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के दावे को हकीकत मान लिया जाए?कोविड महामारी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपने बच्चों का निजी स्कूलों से निकाल कर सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया था।

दिल्ली की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन का खूब प्रचार किया जाता है। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और शिक्षा मंत्रियों को ही नहीं, विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को भी यहां का शिक्षा माडल देखने के लिए आमंत्रित किया जाता है। दिल्ली सरकार इस सबका बढ़-चढ़ कर दिखावा भी करती है। लेकिन क्या वास्तव में यहां के स्कूलों में इतना बदलाव आया है कि उन्हें उदाहरण के तौर पर देखा जा सके? सरकार के दावों के उलट सूचना का अधिकार कानून यानी आरटीआइ से मिले आंकड़े इसका निराशाजनक जवाब देते हैं। इसके मुताबिक, राजधानी के सरकारी स्कूलों में मौजूदा सत्र के दौरान विद्यार्थियों की संख्या में तीस हजार तक की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की कुल संख्या जहां सत्रह लाख नवासी हजार तीन सौ पचासी थी, वहीं वर्ष 2023 में यह घटकर सत्रह लाख अठावन हजार नौ सौ छियासी रह गई। खास बात यह है कि उत्तर-पश्चिम और मध्य दिल्ली को छोड़ पूरे शहर के स्कूलों में विद्यार्थियों की कमी का रुझान एक जैसा है।

सवाल यह है कि अगर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था दूसरे राज्यों के लिए नजीर है, तो फिर यहां बच्चों का स्कूलों से मोह भंग क्यों हो रहा है।

दिल्ली की 'आप' सरकार ने लगभग तीन दर्जन स्कूलों को 'डाक्टर बीआर आंबेडकर स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस' का दर्जा दिया है। ये वे स्कूल हैं, जिनमें दिल्ली शिक्षा बोर्ड के तहत विशेष विषयों की पढ़ाई होती है और इनमें आधारभूत ढांचा और सुविधाएं भी अन्य स्कूलों के मुकाबले बेहतर कही जा सकती हैं। आप सरकार इन्हीं स्कूलों को देश-दुनिया के सामने रखकर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव का दम भरती है। लेकिन क्या इतने भर से पूरे शहर की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के दावे को हकीकत मान लिया जाए?कोविड महामारी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपने बच्चों का निजी स्कूलों से निकाल कर सरकारी स्कूलों में दाखिला कराया था। इसकी वजह से बीते तीन अकादमिक वर्षों में सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या पंद्रह लाख से बढ़कर अठारह लाख के करीब पहुंच गई थी। लेकिन अब सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की तादाद तेजी से कम हो रही है तो क्या इससे यह पता नहीं चलता कि शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की नहीं है कि लोग अपने बच्चों को वहीं पढ़ने दें? सच यह है कि कुछ को छोड़ दें तो अधिकांश स्कूलों की हालत बहुत अच्छी नहीं है।

हालांकि दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्ता के स्तर पर उच्च दर्जे के तौर पर पेश किया जाता है। लेकिन आखिर क्या कारण है कि खुद दिल्ली सरकार के अधिकारी, नेता, विधायक आदि अपने बच्चों की अच्छी पढ़ाई के लिए यहां के सरकारी स्कूलों को तरजीह नहीं देते। अब हालत यह है कि आम लोगों के बच्चों की तादाद भी इन स्कूलों में कम हो रही है। दिल्ली सरकार शिक्षा पर अपने बजट का बीस फीसद से अधिक खर्च करने और शिक्षकों को विदेशी संस्थानों से प्रशिक्षण दिलाने का दावा करती है।

हकीकत यह है कि इस कवायद का असर स्कूल परिसरों में नहीं दिखता। अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों के पढ़ाने का रवैया पहले जैसा ही है। सरकार वास्तव में शिक्षा व्यवस्था का ढांचा बदलना और नौनिहालों का भविष्य संवारना चाहती है तो स्कूलों की बदहाली के जिम्मेदार कारकों की पहचान कर पूरी दिल्ली में उन्हें दूर करने की ईमानदार कोशिश करनी होगी। सरकार का बेतहाशा प्रचार तभी गले उतरे, जब शिक्षा में बदलाव का असर जमीन पर भी दिखाई दे।

पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई एजेंसी। भारत की अग्रणी विविधीकृत ऑटोमोबाइल डीलर, पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड (कंपनी) ने बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया। कंपनी वित्त वर्ष 2023 में दर्ज आय के लिहाज़ से, भारत की अग्रणी विविधीकृत ऑटोमोबाइल डीलरशिप है, (स्रोत-क्रिसिल रिपोर्ट) जिसके पास पूरी तरह से एकीकृत व्यवसाय मॉडल है। कंपनी इस इशू के तहत इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य ?2) के फ्रेश इशू के ज़रिये ?250 करोड़ तक जुटाना चाहती है और 14,275,401 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पेश करना चाहती है। (कुल ऑफर का आकार कंपनी ने फ्रेश इशू के ज़रिये जुटाई गई राशि का उपयोग, कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा लिए गए ?192 करोड़ के ऋण के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान और/या पूर्व-भुगतान करने और और शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया। ऑफर फॉर सेल में बैनयानट्री ग्रोथ कैपिटल एलएलसी (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) के 14,275,401 इक्विटी शेयर शामिल हैं। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के ज़रिये पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड जैसे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

प्रधानमंत्री भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे

जोधपुर, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुरपरिसर 5अक्टूबर 2023को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। संस्थान की स्थापना 2008 में 7 अन्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ की गई थी। यह संस्थान जोधपुर-नागौर राजमार्ग पर 852 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला है। पिछले 15 वर्षों में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने अपने बहु-विषयक और नवाचार उन्मुख पाठ्यक्रम तथा सशक्त अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ स्वंय को प्रतिष्ठित किया है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर का राष्ट्र को समर्पण इतिहास में सुनहरे शब्दों से लिखा जाएगा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर निरंतर तथा सुनियोजित तकनीकी परिसर के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है जो कि अन्य संस्थानों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है । भा.प्रौ.सं. जोधपुर का शैक्षणिक पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पूर्णतया अनुरूप है तथा यह अनेक अनूठी विशेषताओं से युक्त है:-स्वच्छ ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव- अभियांत्रिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और एम्स जोधपुर द्वाराचिकित्साप्रौद्योगिकी (मेडिकल टेक्नोलॉजीज) में अद्वितीय नवाचार युक्त संयुक्त डिग्री कार्यक्रम ।

आईआईएम लखनऊ कौशल और उद्यमशीलता विकास को बढ़ावा दे रहा

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ देश में कौशल विकास और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर रहा है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप कार्यक्रम में सबसे बड़े समूह के साथ शैक्षणिक भागीदारों में से एक के रूप में संस्थान दो वर्षों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की राह पर है। यह दो-वर्षीय कार्यक्रम अक्टूबर 2023 में पूरा होने वाला है, आईआईएम लखनऊ गर्व से जिला स्तर पर कौशल विकास पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शा रहा है। पिछले दो वर्षों के दौरान, अध्येताओं को आईआईएम लखनऊ से सर्वोत्तम शैक्षणिक सहायता प्रदान की गई है, जिससे स्थानीय प्रशासन के साथ काम करने और जिलों में कौशल परिदृश्य को मजबूत करने में योगदान करने की उनकी क्षमता विकसित हुई है। कार्यक्रम में आईआईएम की भूमिका और अध्येताओं की भागीदारी के बारे में बोलते हुए, प्रोफेसर अजय के. गर्ग, कार्यक्रम निदेशक, एमजीएनएफ - आईआईएमएलनेकहा, हमेंय ह देखकर गर्व है कि हमारे संस्थान के परामर्श समर्थन के साथ फेलो की प्रभावी भागीदारी जिला स्तर पर कौशल विमर्श को कैसे बदल रही है।

एमएक्स प्लेयर का अंतर्राष्ट्रीय स्लेट अक्टूबर 2023 को यादगार बनाने का वादा करता है!

मुंबई, एजेंसी। इस अक्टूबर में, मनोरंजन के एक अविस्मरणीय महीने का वादा करते हुए एमएक्स प्लेयर, अपने अंतर्राष्ट्रीय स्लेट के साथ दर्शकों को एंगेज करने के लिए पूरी तरह तैयार है। के-ड्रामा प्रेमियों, सम्मोहक कहानी के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि एमएक्स प्लेयर कोरियाई नाटकों का एक क्यूरेटेड चयन प्रस्तुत कर रहा है जो आपके दिलों को झकझोर देगा और आपकी जिज्ञासा को बढ़ाएगा। मनोरंजक ड्रामा से लेकर रोमांचक एक्शन, रोमांस से लेकर फैंटसी तक, एमएक्स प्लेयर का विदेसी स्लेट आपको घर बैठे भावनाओं और सिनेमाई प्रतिभा की दुनिया में ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एट एटीन एक हृदयस्पर्शी कोरियाई नाटक है जो तीन किशोरों, चोई जून वू, यू सू बिन और मा ह्वी यंग के जीवन पर प्रकाश डालता है, जो हाई स्कूल की जटिलताओं और किशोरावस्था की चुनौतियों का सामना करते हैं। अकेला रहनेवाला जून वू, जिसकी आकर्षक बाजू छिपी हुई है, एक नए स्कूल में जाता है और वहां सू बिन के साथ उसकी दोस्ती हो जाती है। सू बिन अपनी माँ की ऊँची उम्मीदों के साथ संघर्ष करती है, और ह्वी यंग, जो बाहर से आत्मविश्वासी लेकिन सच में अंदर से डरपोक किशोरी है। साथ में, वे आत्म-खोज की यात्रा पर निकलते हैं और सच्ची दोस्ती के गहरे प्रभाव को सीखते हैं। 4 अक्टूबर 2023 से एमएक्स प्लेयर पर हिंदी में एट एटीन देखें और उनके अठारहवें वर्ष के अविस्मरणीय क्षणों का गवाह बनें।

Indians are ready to spend extravagantly this festive season : Report

With pockets full and intentions set, Indians are ready to spend extravagantly this festive season, highlighted a UBS report on Wednesday.

Interestingly, the finding suggests that the inclination towards digital payments has witnessed a drop to 58 per cent from 71 per cent earlier. Meanwhile, the intent to make cash payments accelerated to 35 per cent from 27 per cent earlier. This, in turn, hints at people willing to spend more on local and offline products giving a boost to Prime Minister Narendra Modi's Vocal for Local scheme. According to the report, 70 per cent of the respondents expect festive spend to rise while another 18 per cent of respondents expect stable spending against last year. However, 11 per cent of respondents expect a slowdown in their festive spending.

What's on buying list?

Indians have always been attracted to buying gold as a preferred way of savings/investments and the affinity for the yellow metal may act as the driver of consumer spending this festive season. According to the report, 50 per cent of the survey respondents bought gold, jewellery as planned or more than planned in the last three months. However, this can be linked with wedding season along with festivals.

The property purchase intentions have also remained largely resilient with 52 per cent of 'unique' respondents planning to purchase property over the next two years which is a testimony of the desire to reside in self-owned properties. "Notably, in the affordable housing segment (below Rs 5mn), sensitivity to interest rates is higher with 62 per cent of respondents planning to buy a house under Rs 2.5mn and 58 per cent planning to buy a house between Rs 2.5mm-4.9mn stating they are likely to defer the purchase if mortgage rates rise to 9 per cent or more," the report flagged. In addition, smartphones, two wheelers and cars have been highlighted as other areas of interest for consumers willing to spend. Under the consumer durable category, ACs, TVs, refrigerators and laptops remained top priorities for expenditure.

Inflation concerns

The high inflation has been a key concern for people willing to spend. According to the survey, about 60 per cent of survey respondents reported price increase over 6 per cent in the last one to two years. With current inflation print at 6.8 per cent, which is beyond the Reserve Bank of India's tolerance band of 2-6 per cent, the consumers are worried of losing the festive spirit. Sharp spikes in food prices have been the main driver for inflation as erratic weather conditions hurt production of staples like vegetables, milk and cereals.

बादाम के साथ स्नैकिंग वजन प्रबन्धन में हो सकती है कारगरः रीसर्च

मुंबई,एजेंसी। दो नए वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि बादाम से आहार की गुणवत्ता बढ़ती है और वजन के प्रबन्धन में मदद मिलती है। बादाम ओबेसिटी मोटापे या अधिक वजन वाले व्यस्कों के लिए कम कैलोरी की डायट में शामिल कर वजन घटाने में कारगर हो सकते हैं। ओबेसिटी में प्रकाशित पहले अध्ययन जिसे ऑल्मण्ड बोर्ड ऑफकैलिफोर्निया द्वारा वित्तपोषण दिया गया, इस अध्ययन में 25-65 वर्ष के 140 ऑस्ट्रेलियाई लोगों पर नौ महीने के लिए अध्ययन किया गया, जो अधिक यानि मोटापे के शिकार थे। अध्ययन के पहले तीन महीनों के दौरान प्रतिभागियों ने मेवों से रहित या बादाम से युक्त आहार के साथ अपनी रोजमर्रा की कैलोरी को 30 फीसदी कम किया दोनों आहारों में प्रतिभागियों के वजन में औसतन 7 किलो की कमी आई और तीन महीने बाद उनके लीन बॉडी मास में भी सुधार हुआ। इसके अलावा अगले छह महीनों में उनका वजन लगभग 1 किले कम हुआ।

डॉ एलीसन कोएट्स, प्रोफेसर ऑफह्युमन न्युट्रिशन और डायरेक्टर ऑफअलायन्स फॉर रीसर्च इन एक्सरसाइज, न्यूट्रिशन एण्ड एक्टिविटी, युनिवर्सिटी ऑफसाउथ ऑस्ट्रेलिया ने कहा। ''अध्ययन से पता चला कि वजन प्रबंधन प्रोग्राम के दौरान आहार में बादाम शामिल करने से वजन प्रभावी रूप से कम होता है, साथ व्यक्ति को उचित पोषण भी मिलता रहता है, जिससे उनका स्वास्थ्य ठीक बना रहता है। वेट मैनेजमेन्ट प्रोग्राम के बाद वजन को सामान्य बनाए रखना चुनौती होती है, प्रोग्राम खत्म होने के बाद बहुत से लोगों का वजन फिर से बढ़ जाता है।'' रितिका समद्दर, रीजनल हैड- डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर- दिल्ली ने कहा ब्राउन स्टडी में पाया गया कि एक साल तक बिस्कुट के बजाए बादाम को चुनने से व्यक्ति को जरूरी पोषण जैसे प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स अधिक मात्रा में मिले, ऐसे लोगों का फैट प्रोफाइल बेहतर था। बादाम वाले ग्रुप को मोनोसैचुरेटेड एवं पॉलीसैचुरेटेड फैट के फायदे मिले, उनके कार्बोहाइड्रेट और चीनी के सेवन की मात्रा कम हुई।

टाटा मोटर्स अधिकृत डीलरशिप ने भोपाल में ई5सर्विस सर्विस प्रोग्राम तैनात किया

भोपाल। टाटा मोटर्स की अधिकृत डीलरशिप ने भोपाल में ई5सर्विस प्रोग्राम तैनात किया है। ई5सर्विस एक दोपहिया-आधारित सेवा है, जिसे ग्राहकों को उनके दरवाजे पर एक सुरक्षित और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ई5सर्विस ग्राहक के पसंदीदा स्थान पर बुनियादी सेवा, त्वरित मरम्मत और समस्या समाधान सहित कई लाभ प्रदान करता है। डीलरशिप वरेण्यम मोटर कार - ने भोपाल में एक ई़ज़सर्व बाइक तैनात की है, जो घर का दौरा, छोटी-मोटी मरम्मत, बाहरी जांच शिविर, ब्रेकडाउन अटेंशन, वाहन सैनिटाइज़ेशन और फोम वॉश की पेशकश करती है। इस कार्यक्रम ने अप्रैल 2023 से शहर के 600 से अधिक ग्राहकों को लाभान्वित किया है। इस नवोन्मेषी सेवा का उद्देश्य ग्राहकों का समय और मेहनत बचाना और ग्राहकों की खुशी को बढ़ावा देना है। ई5सर्विस किट को मोटर वाहन नियामक मानदंडों, परिवर्तनशीलता और विनिर्माण व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है। प्रत्येक ई5सर्विस इकाई एक व्यापक किट से सुसज्जित है जिसमें वाहनों पर सेवा और मरम्मत कार्यों के लिए आवश्यक विशिष्ट वस्तुएं शामिल हैं, इकाई में बाइक के पीछे लगे तीन उपयोगिता बक्से होते हैं, जो फाइबर प्रबलित प्लास्टिक से बने होते हैं। ये बक्से स्पेयर पार्ट्स, ताजा चिकनाई, अन्य उपभोग्य सामग्रियों, एक वैक्यूम क्लीनर, एक इको-वॉश किट, एक जैक और जैक स्टैंड और विभिन्न हाथ उपकरण से भरे हुए हैं। टाटा मोटर्स की डीलरशिप ई5सर्विस के लिए अपने इन-हाउस तकनीशियनों को प्रशिक्षित करती हैं। ये तकनीशियन अपने तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के लिए डायग्नोसिस एक्सपर्ट तकनीशियनों से और अपने सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर बनाने के लिए ग्राहक संबंध प्रबंधकों से प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की अवधि और सामग्री उम्मीदवारों के कौशल मैट्रिक्स के आधार पर निर्धारित की जाती है। एक ई5सर्विस बाइक एक वरिष्ठ तकनीशियन द्वारा संचालित की जाती है और एक वरिष्ठ सलाहकार और सीआरएम द्वारा समर्थित होती है।

171 का आईपीओ 270 पर हुआ लिस्ट, पहले ही दिन निवेशक मालामाल, मिला 57 प्रतिशत का मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। डिजीकोर स्टूडियोज लिमिटेड के आईपीओ ने शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री की है। यह आईपीओ बुधवार को एनएसई पर 57 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 270 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं, शुरुआती कारोबार के दौरान ही शेयर में अपर सर्किट लग गया और भाव 283.50 रुपये तक पहुंच गया। आपको बता दें कि कंपनी ने आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस 168-171 रुपये प्रति शेयर तय किया था। वहीं, एक लॉट में 800 शेयर रखे गए थे। मतलब यह हुआ कि जिन निवेशकों ने कम से कम एक लॉट पर भी दांव लगाया होगा उन्हें 1,36,800 रुपये निवेश करने पड़े होंगे। बीते सितंबर महीने में 25 से 27 तारीख तक के लिए खुले इस आईपीओ को निवेशकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। तीन दिन की अवधि में आईपीओ 281.58 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, ग्रे मार्केट में भी यह मुनाफे के संकेत दे रहा था। डिजीकोर स्टूडियोज लिमिटेड अपने 30.48 करोड़ रुपये के आईपीओ से जुटाई गई रकम से वर्किंग कैपिटल जरूरतों को पूरा करेगी। वहीं, सामान्य कॉर्पोरेट और ऑफर-संबंधी खर्चों के लिए भी इस पैसे का इस्तेमाल किया जाएगा। आईपीओ के लिए बुक-रनिंग लीड मैनेजर सारथी कैपिटल एडवाइजर्स को और बिगशेयर सर्विसेज आधिकारिक रजिस्ट्रार रखा गया था।

कंपनी क्या करती है : साल 2000 में वजूद में आई डिजीकोर स्टूडियोज लिमिटेड एक विजुअल इफेक्ट स्टूडियो है। कंपनी फिल्मों, वेब सीरीज, टीवी सीरीज, डॉक्यूमेंट्रीज और विज्ञापनों के लिए विजुअल इफेक्ट्स सर्विस देती है। डिजीकोर भारत के उन चुनिंदा स्टूडियो में से है जिसका टीपीएन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा ऑडिट किया गया है। यह ड्रीमवर्क्स कंपनी डिज्नी/मार्वल, नेटफ्लिक्स, अमेजन, ऐप्पल, पैरामाउंट, वार्नर ब्रदर्स और लायंस गेट जैसी कंपनियों के प्रोजेक्ट्स से भी जुड़ी रही है।

जीएसटी कानून में नए बदलाव से कारोबारियों पर पड़ेगा प्रभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछली बैठक में परिषद ने जीएसटी अनुपालन को सुव्यवस्थित करने के लिए जीएसटी कानून में नए बदलावों की सिफारिश की थी, विशेष रूप से जीएसटी रिटर्न के बीच अंतर के लिए डीआरसी-01 फॉर्म के कार्यान्वयन का प्रस्ताव दिया था। इन फॉर्मों में से जारी एक नई अधिसूचना में डीआरसी-01सी नामक एक विशिष्ट नए फॉर्म के साथ केंद्रीय वस्तु और सेवा कर नियमों में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया गया है। आइए समझें डीआरसी-01सी है क्या फॉर्म डीआरसी-01सी रिटर्न में विसंगतियों के लिए जीएसटी करदाताओं को खुद से सूचित करने

वाला पहला फॉर्म नहीं है। कुछ महीने पहले, सरकार ने जीएसटीआर-1/आईएफएफ और जीएसटीआर-3बी के बीच अंतर के लिए एक समान फॉर्म डीआरसी-01बी पेश किया था। डीआरसी-01सी फॉर्म उन करदाताओं पर प्रभाव डालता है , जो अपना जीएसटीआर-3बी दाखिल करने से पहले हर महीने अपने इनपुट टैक्स क्रेडिट के समाधान के बारे में सतर्क नहीं होते हैं। फॉर्म डीआरसी-01सी में सूचना प्राप्त करना कई कारणों से करदाताओं के लिए दिक्कतें पैदा कर सकता है। क्लियर टैक्स के फाउंडर और सीईओ अर्चित गुप्ता के मुताबिक ज्यादातर मामलों में, फॉर्म डीआरसी-01सी में सूचना के साथ दावा किए गए आईटीसी में अंतर की मांग नोटिस के साथ धारा 50 के तहत देय ब्याज भी शामिल होता है।

बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी ने मनाया 36वां स्थापना दिवस

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) ने 2 अक्टूबर को 154वीं गांधी जयंती के अवसर पर अपना 36वां स्थापना दिवस मनाया। संस्थान ने इस उत्सव का आयोजन अपने छात्रों में सामाजिक कल्याण की संस्कृति और बेहतर जीवन मूल्यों को स्थापित करने और उन्हें इस दिशा में प्रेरित करने के मकसद से किया। 30 सितंबर से शुरू हुए इस तीन दिवसीय उत्सव के सबसे बड़े आकर्षण रहे नाटक 'माई री मैं का से कहूं' और 'अंधायुग'। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा रिपर्टरी ग्रुप द्वारा प्रस्तुत नाटक 'माई री मैं का से कहूं' का निर्देशन श्री अजय कुमार ने किया। नाटक 'अंधायुग' नई दिल्ली के अस्मिता थिएटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसका निर्देशन श्री अरविन्द गौड़ ने किया। 2

अक्टूबर को स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद मेहमानों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था ने महात्मा गांधी जी का पसंदीदा भजन 'वैष्णव जन तो तेने रे कहिए' बजाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर गूंज के संस्थापक श्री अंशू गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने 36वें स्थापना दिवस पर आमंत्रित करने के लिए बिमटेक के प्रति आभार जताया और कहा, ''मैं खुद भी इंजीनियरों के परिवार से आता हूं - एक ऐसा परिवार जिसने यह सुनिश्चित किया कि हर कोई अच्छी तरह से पढ़ाई करे। उस समय इतने वित्तीय संसाधन नहीं थे। मैं अक्सर सोचता हूं कि देश के बाहर एक से अधिक भाषाओं में बात करने में सक्षम होने से मुझे दुनिया के तमाम लोगों के साथ संवाद करने का मौका मिलता है। यह उस पीढ़ी के लिए बहुत बड़ी बात है, जिसने कभी कार खरीदने के बारे में नहीं सोचा, जो शिक्षा पप खर्च करने से कभी पीछे नहीं हटे।'' उन्होंने आगे कहा, ''सीमित साधनों वाले एक प्रतिबद्ध परिवार से लेकर जीवन की जटिलताओं को देखने तक, मैंने सीखा कि चुनौतियाँ अलग-अलग रूपों में आपके सामने आती हैं। पत्रकारिता के माध्यम से शुरू की गई मेरी यात्रा के दौरान अनेक छिपी हुई कहानियों को उजागर करने का अवसर मुझे मिला। आज मेरा मानना है कि चैरिटी भले ही नेक इरादे से की गई हो, लेकिन उसका लक्ष्य यह जरूर हो कि वह हमें पहले से और मजबूत बनाए, न कि हमारी निर्भरता को कायम रखे। हमें अपनी शिक्षा को महत्व देना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा को बनाए रखना चाहिए। आइए हम अपनी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करने के लिए मिलकर काम करें, जहां ईमानदारी और महत्वाकांक्षा प्रगति को प्रेरित करती हो। मेरा मानना है कि सब्सिडी अवसर है, अधिकार नहीं, और वापस देने से हम सभी समृद्ध होते हैं। ऐसी दुनिया में जहां शिक्षा हमारी सबसे स्थायी सब्सिडी बनी हुई है, आइए सुनिश्चित करें कि यह सभी तक पहुंचे।''

टाटा एआईए के ग्राहकों ने ब्रांड पर उनके विश्वास की पुष्टि की

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 13वें महीने से 61वें महीने तक की सभी 5 समयावधियों में उद्योग में सर्वश्रेष्ठ दृढ़ता दर्ज की है

मुंबइ एजेंसी। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने भारत की जीवन बीमा कंपनियों में अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ऑपे़शनल परफॉर्मेंस दर्ज किया है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए सभी 5 कोहोर्ट में उद्योग में सर्वोत्तम दृढ़ता अनुपात दर्ज किया, जो टाटा एआईए में अपनी पॉलिसियों को नवीनीकृत करने वाले उपभोक्ताओं के पर्सेंटेज को दर्शाता है। व्यक्तिगत मृत्यु दावा निपटान अनुपात वित्त वर्ष 2022 में 98.53 प्रतिशत था, जो वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर 99.01 प्रतिशत हो गया।

वित्तीय वर्ष 2023 में टाटा एआईए ने 13वें महीने, 25वें महीने, 37वें महीने और 49वें महीने इन चार कोहोर्ट में उद्योग का सर्वश्रेष्ठ लगातार प्रदर्शन किया है। जून 2023 को समाप्त हुई पहली तिमाही के दौरान, टाटा एआईए 13वें महीने (88.2 प्रतिशत), 25वें महीने (80.3 प्रतिशत), 37वें महीने (76 प्रतिशत), 49वें महीने (70.9 प्रतिशत) और 61वें महीने (66.8 प्रतिशत) सहित सभी पांच पर्सिस्टेंसी कोहोर्ट में टॉप परफॉर्मर था। टाटा एआईए लाइफ के कार्यकारी उपाध्यक्ष और परिचालन प्रमुख श्री संजय अरोरा ने कहा, हमारे हर काम में हम उपभोक्ताओं की दीर्घकालिक वित्तीय भलाई को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। इसलिए, उनकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनकी आकांक्षाओं को प्राप्त करने में मदद करना हमारा निरंतर लक्ष्य है। हमारी श्रेणी में सर्वोत्तम दृढ़ता अनुपात हमारे ग्राहकों के विश्वास को दर्शाता है, ग्राहकों को भरोसा है कि उनके दीर्घकालिक वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए टाटा एआईए सही तरीके से काम करता है। ग्राहकों की जीवन यात्रा के हर चरण में, बिक्री से लेकर उपभोक्ता के जुड़ने और नवीनीकरण और उससे आगे तक, हम अपने ग्राहकों की ज़रूरतों को सबसे पहले स्थान पर रखना जारी रखेंगे। दृढ़ता अनुपात उन उपभोक्ताओं का परसेंटेज है जो हर साल अपनी जीवन बीमा पॉलिसी को नवीनीकृत करते हैं। आम तौर पर, नवीनीकरण दर जितनी अधिक होगी, उपभोक्ता उत्पाद और बीमाकर्ता की सेवा से उतना ही अधिक संतुष्ट होगा।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने हमेशा प्रक्रिया में निरंतर सुधार में विश्वास किया है जो उपभोक्ता को संतुष्ट करने में मदद करता है। ऐसी ही एक पहल भविष्य के प्रीमियम भुगतान को आसान बनाने के लिए की गई थी। कंपनी ने पॉलिसियों के लैप्सेशन को रोकने के लिए एक सरलीकृत ऑनलाइन पॉलिसी रेंस्टेट्मेंट प्रक्रिया शुरू की। इस पहल का लाभ उठाकर पॉलिसीहोल्डर उचित प्रीमियम का भुगतान करके और डिजिटल स्वास्थ्य प्रमाणपत्र देकर अपनी पॉलिसियों को ऑनलाइन रेंस्टेंट कर सकते हैं। जो उपभोक्ता प्रीमियम का भुगतान नहीं कर सकते हैं और पॉलिसियों का सरेंडर वैल्यू आ चूका है, ऐसे उपभोक्ताओं के लिए लोन की पहल शुरू की गयी है। ये सेवाएं सुनिश्चित करती हैं कि उपभोक्ता अपना सुरक्षा कवर और किया गया निवेश न खोए और अपने वित्तीय लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे। कंपनी ने अन्य बैंकों के लिए स्थायी निर्देश और ई-एनएसीएच प्रक्रियाओं के लिए एचडीएफसी बैंक और इंडसइंड बैंक जैसे वितरण भागीदारों के साथ साझेदारी करके आवर्ती प्रीमियम भुगतान प्रक्रिया को डिजिटल बनाने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। टाटा एआईए व्हाट्सएप पे और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के माध्यम से डिजिटल भुगतान सक्षम करने वाली पहली जीवन बीमा कंपनी भी है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने मध्य प्रदेश में लॉन्च किया मोबाइल मिल्क एटीएम

गुना, एजेंसी। भारत के अग्रणी बैंक में से एक एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर ब्रांड परिवर्तन के तहत मध्य प्रदेश के गुना जिले में एक मोबाइल मिल्क एटीएम की स्थापना की। इसके अंतर्गत बैंक ने 11 मिल्क पूलिंग पॉइंट (एमपीपी) और दो बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) स्थापित किए हैं। दूध संग्रह, भंडारण और रिटेल इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना होने से स्थानीय डेयरी फार्मर्स की पहुँच बाजार तक बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने अपने इम्प्लेंटिंग पार्टनर एंड पॉवर्टी के माध्यम से किसानों के लिए पारदर्शिता और उचित मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए हर कलेक्शन और स्टोरेज पॉइंट पर क्वालिटी टेस्टिंग इक्विपमेंट लगाए हैं। साथ ही इसने स्थानीय कृषक उत्पादक निकाय, गुना विकास महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को एरर फ्री डेटा कलेक्शन और किसानों के लिए सात दिवसीय भुगतान चक्र बनाए रखने में मदद करने के लिए क्लाउड पर दैनिक डेटा सिंक्रनाइज़ेशन भी प्रारंभ किया है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड सुश्री नुसरत पठान ने कहा, डेयरी फार्मिंग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। गुना में दूध संग्रह, भंडारण और रिटेल इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना से न केवल बाजार तक पहुंच में सुधार होगा, बल्कि जिले के स्थानीय डेयरी फार्मर्स को होने वाली मूल्य निर्धारण असमानताएं भी दूर होंगी। हमें खुशी है कि हम एंड पॉवर्टी के साथ साझेदारी कर रहे हैं जो स्थानीय किसानों को सुविधा प्रदान करने में सक्षम है। यह पहल लोकल डेयरी सप्लाई चैन में बदलाव का प्रतीक है, जो सतत विकास और समृद्धि की नींव है। एचडीएफसी बैंक का सीएसआर परिवर्तन के अंतर्गत किया गया है, जो इसकी सभी सोशल इनिशिएटिव का अम्ब्रेला ब्रांड है। यह मुख्यतः पांच क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है- ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल विकास एवं आजीविका सुधार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, और वित्तीय साक्षरता व इन्क्लूसन। मार्च 2023 तक, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने अलग अलग पहलों से मध्य प्रदेश में 62 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है।

जॉनसन एंड जॉनसन विजन ने भारत में लोगों की नेत्र स्वास्थ्य में बदलाव के अपने दृष्टिकोण को मज़बूत करने के लिए रणवीर सिंह को नियुक्त किया

मुंबई ,एजेंसी। जॉनसन एंड जॉनसन विजन, नेत्र स्वास्थ्य में वैश्विक लीडर और जॉनसन एंड जॉनसन मेडटेक का हिस्सा, ने आज घोषणा की कि उसने नई पीढ़ी और मिलेनियल्स को कॉन्टैक्ट लेंस आज़माने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सुपरस्टार रणवीर सिंह के साथ हाथ मिलाया है। इस कैंपेन का उद्देश्य आंखों के स्वास्थ्य के लिए जागरूकता पैदा करना और नए कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों का स्वागत करने के ष्टङ्कश्व0 के मिशन को बढ़ाना है। पिछले कुछ वर्षों में, ष्टङ्कश्व0 ने भारत में नेत्र स्वास्थ्य में परिवर्तन का नेतृत्व किया है। ब्रांड ने भारतीय उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को समझने और कॉन्टैक्ट लेंस के उपयोग को लेकर उनकी आशंकाओं को दूर करने के लिए प्रभावी उपाय अपनाए हैं। वास्तव में, ष्टङ्कश्व0 श्रेणी के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और उपभोक्ताओं को नियमित आंखों की जांच के लिए प्रेरित करके उपभोक्ताओं और ऑप्टोमेट्रिस्ट के बीच अंतर को कम करने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। उपभोक्ता अक्सर किसी विशेषज्ञ से सलाह लेने के बजाय कॉन्टैक्ट लेंस के बारे में सलाह के लिए अपने साथियों के पास जाते हैं। यह कैंपेन उपभोक्ताओं को एक ऑप्टोमेट्रिस्ट से परामर्श लेने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है ।

भारत सरकार के ये ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्स आपको मिलेंगे

बिल्कुल फ्री

सर्टिफिकेशन कोर्सेस आपके करियर को बेहतर बनाते हैं। यही वजह है कि सरकार समय-समय पर अपने पोर्ट्ल्स के जरिए तमाम सर्टिफिकेशन कोर्सेस जारी करती है। ऐसे में अगर आप भी घर बैठे ऑनलाइन कोर्स पूरा करके सरकारी सर्टिफिकेट पाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल अपके लिए बेहद हेल्पफुल है। आज के हम आपको इन 5 पोर्टल्स के बारे में बताएंगे, जिसके जरिए ट्रेनिंग या सर्टिफिकेशन कोर्स के लिए एप्लाई किया जा सकता है। तो देर किस बात की, आइए जानते हैं इन पोर्टल्स के बारे में-

मिनी एमबीए कैसे करें?

नेशनल कमीशन फॉर वूमेन के द्वारा यह योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। यह फ्री कोर्स IIM और भारत सरकार द्वारा मिलकर शुरू किया गया था। यह पहले अंग्रेजी भाषा में था, लेकिन अब हिंदी भाषा में भी आप इस कोर्स को अवेल कर सकती हैं। बता दें कि ये 6 हफ्तों का कोर्स है, जो आपको ऑनलाइन मोड से पूरा कर सकती हैं। यह कोर्स खासतौर पर उन महिलाओं के लिए जो बिजनेस वुमेन बनना चाहती हैं।

हुनर कोर्सेस

अगर आप एक हाउसवाइफ हैं और अपने करियर को एक नई शुरुआत देना चाहती हैं तो आप Skill India और NSDC के द्वारा चलाए जानें वाली इस वेबसाइट पर सर्टिफिकेशन कोर्सेस की जानकारी ले सकती हैं। वेबसाइट पर ये सभी कोर्सेस आपको पूरी तरह से फ्री में मिल जाएंगे। जहां आप घर बैठे वीडियो देखकर और चीजों को बनाकर सरकारी सर्टिफिकेट पा सकती हैं। इस वेबसाइट पर आप फैशन से लेकर होम डेकोर जैसी सर्टिफाइड कोर्सेस मुफ्त में पा सकती हैं।

अधिक जानकारियों के लिए इस वेबसाइट पर क्लिक करें- https://www.hunarcourses.com/nsdc-courses

DIKSHA पोर्टल

अगर आप टीचर हैं और कोई सरकारी सर्टिफिकेटन कोर्स तलाश रही हैं, तो ऐसे में आपको 'DIKSHA' पोर्टल पर जाना चाहिए। इस पर आपको कई भाषाओं में सर्टिफिकेशन कोर्सेस मिल जाएंगे, जिसमें आपको वीडियो देखकर असेसमेंट देना होगा। इसके जरिए आप भारत सरकार द्वारा सर्टिफिकेट पा सकती हैं। अधिक जानकारियों के लिए इस पोर्टल पर क्लिक करें- https://diksha.gov.in/

शीर्षक-बचों को भाषा-संस्कारों के साथ बड़ा करना चाहिए-डॉ. शर्मा

इंदौर। हिन्दी बहुत ही वैज्ञानिक भाषा है। हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए।भारतीय साहित्य बहुत ही समृद्ध है। इसी समृद्ध परंपरा को हमें अपनी नई पीढ़ी को हस्तांतरित करना चाहिए। यह कुछ पढ़कर और कुछ लिख कर हो सकता है। इसका एक उदाहरण है विमोचन शब्द। लोग सिर्फ समाचारों में पुस्तक विमोचन का अर्थ पढ़ते हैं और उसे पुस्तक से जोड़कर देखते हैं, परंतु अपने बचों को भाषा-संस्कारों के साथ बड़ा करना चाहिए। ऐसे में बाल साहित्य की भाषा ही हमारी हिन्दी की दिशा प्रशस्त करेगी। बाल अधिकारों के प्रति चेतना जगाने के लिए पोशम्पा का प्रकाशन अच्छा प्रयास है। यह बात बाल काव्य संग्रह पोशम्पा का विमोचन करते हुए वीणा पत्रिका के विद्वान सम्पादक डॉ. राकेश शर्मा ने मुख्य अतिथि स्वरूप कही। विमोचन कार्यक्रम तक्षशिला परिसर स्थित मीडिया भवन में किया गया। इस पुस्तक का पूर्ण सम्पादन वरिष्ठ पत्रकार और सम्पादक अजय जैन विकल्प ने किया है। पुस्तक पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला (देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर) तथा यूनिसेफ की परियोजना के तहत प्रकाशित की गई है। हिन्दी की सेवा हेतु साहित्य अकादमी मप्र से अलंकृत हिन्दीभाषा डॉट कॉम द्वारा इस हेतु सभी साहित्यकारों के बीच प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्राप्त बहुत-सी रचनाओं में से चयनित को पोशम्पा में प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का नाम पोशम्पा रखने का कारण बचों से जुड़ाव बताता है। अजय जैन विकल्प ने बताया कि, प्राप्त रचनाओं में अनेक आलेख भी थे, परंतु एक प्रकार की रचनाओं कविताओं का प्रकाशन संभव हो पाया है। विभागाध्यक्ष डॉ. सोनाली नरगुन्दे ने कहा कि, इस माध्यम से विभाग, विश्वविद्यालय व साहित्यकार एक मंच पर आ पाए हैं। विभाग में भाषा को लेकर बहुत से प्रयोग होते रहते हैं। इनमें बाल साहित्य से लेकर सभी सेनानियों पर पुस्तकें निकालने का संकल्प चल रहा है। यूनिसेफ बचों के लिए कार्यरत है। ऐसे में साहित्य सृजन का यह कार्य सराहनीय है। पुस्तक विमोचन के अवसर पर रचनाकार डॉ. सपना साहू स्वप्निल, वरिष्ठ पत्रकार स्मृति जोशी, डॉ. नीलमेघ चतुर्वेदी, डॉ. मनीष काले और जितेंद्र जाखेटिया सहित विद्यार्थीगण भी उपस्थित रहे। मंच-परिवार की सह-सम्पादक श्रीमती अर्चना जैन, मार्गदर्शक डॉ.एम.एल. गुप्ता 'आदित्य', संरक्षक डॉ. अशोक (बिहार), परामर्श दाता डॉ. पुनीत द्विवेदी (मप्र), विशिष्ट सहयोगी एच.एस. चाहिल व प्रचार प्रमुख ममता तिवारी 'ममता (छग) ने सभी विजेताओं और सहभागी रचनाकारों को हार्दिक बधाई दी है। इस मौके पर कार्यक्रम के संचालन और आभार की जिम्मेदारी डॉ. नरगुंदे ने निभाई।

एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है।

कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है जर्मनी का एजुकेशन सिस्टम

यूरोप में पढ़ाई करना तमाम ब्राइट स्टूडेंट्स का सपना होता है, और बात जब जर्मनी की हो, तो यहां से लोगों का एक खास लगाव होना स्वभाविक है। यूं भी जर्मनी टेक्नोलॉजी में काफी आगे है और यहां का एजुकेशन सिस्टम भी कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है। ऐसे में तमाम भारतीय छात्र जर्मनी की ओर पढ़ाई का रूख करते ही हैं। वास्तव में उन्हें काफी सहूलियत भी मिलती है। चूंकि एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी से अधिक भारतीय छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं। आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। खास बात यह है कि अगर आप जर्मनी में शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आप बेहतरीन स्कॉलरशिप भी पा सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स के बारे में.

एचडब्ल्यूके फैलोशिप

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है और यह एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मानी जाती है। अगर आप एक काबिल वैज्ञानिक हैं, तो फेलोशिप प्रोजेक्ट के बेसिस पर जर्मनी में स्टडी के लिए रेग्युलर फैलोशिप और जूनियर फैलोशिप 3 और 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है। जाहिर तौर पर यह एक आकर्षक फैलोशिप है, जो ब्राइट स्टूडेंट्स के लिए काफी मददगार साबित होती है। यूं भी विज्ञान के प्रयोगों में काफी धन की आवश्यकता होती है और इसीलिए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम को काफी हाईलाइट किया जाता है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

इस स्कॉलरशिप का नाम तो आपने सुना ही होगा। अगर आप बेहतरीन मेरिट पाते हैं, तो ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए आप इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। 24000 प्रत्येक महीने आपको स्कॉलरशिप के तौर पर दिए जाते हैं जो कि एक काफी आकर्षक स्कॉलरशिप मानी जा सकती है। विदेशों में अगर आपको इतनी रकम पढ़ाई के लिए मिलती है, वह भी प्रत्येक महीने तो वह आपकी शिक्षा में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगी।

जीएसएलएस फेलोशिप विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

हम बोल रिसर्च ट्रैक स्कॉलरशिप स्कॉलरशिप पीएचडी की पढ़ाई करने वालों के लिए है चाहे इस्ट्रीम जो भी हो अगर आप मास्टर डिग्री ले चुके हैं इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं तकरीबन 6 महीने तक 63000 तक आपको मिल सकते हैं 32000 प्रत्येक महीने चुने हुए हैं स्कॉलर के बच्चों के लिए खर्च दिए जाते हैं तो जाहिर तौर पर आप को लाभ पहुंचा सकता है

जीएसएलएस फैलोशिप

विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, 3 सालों के लिए पीएचडी फेलोज को यह स्कालरशिप देती है। खास बात यह है कि इसमें आपको लाइफ साइंस के किसी भी सब्जेक्ट में डिग्री लेनी होती है। इस फेलोशिप में प्रत्येक वर्ष 4 लाख रिसर्च से सम्बंधित खर्च, यात्रा आदि पर खर्च किए जाते हैं।

साइंस और इंजीनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इंटर्नशिप में करंट में चल रहे रिसर्च और भिन्न परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, प्रोफेसर या साइंटिस्ट के साथ काम करने का मौका इसमें मिलता है। गणित, विज्ञान या फिर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट अंतिम वर्ष में या उससे पहले भी इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल एलाउंस के लिए आपको प्रत्येक महीने 50 हजार तक मिल जाते हैं, जो कि पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट के लिए सफिशिएंट माने जा सकते हैं।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के बेहद जूनियर साइंटिस्ट इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा सकते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। दाखिला लेने के बाद, स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लाइव फील्ड एक्सपेरिमेंट के लिए इसमें फंड प्रोवाइड किया जा सकता है। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मासिक भत्ते के रूप में तकरीबन 12 लाख रुपया दिया जाता है तो 12000 रिसर्च एंड डेवलपमेंट भत्ता के तौर पर। इसके अलावा भी दूसरे भत्ते इसमें शामिल हैं।

आइंस्टाइन फैलोशिप जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम टाइमर एंड डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस अथवा नेचुरल साइंसेज के छात्रों को यह फेलोशिप प्रोवाइड करता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टीन के नाम पर शुरू की गयी इस फेलोशिप का मतलब बेहतर प्रतिभाओं को सामने लाना है।

कॉल सेंटर के क्षेत्र में इस तरह बनाएं अपना कॅरियर

एक कॉल सेंटर में कस्टमर सर्विस ऑफिसर बनने के लिए आपको किसी विशेष एजुकेशनल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं होती है। अगर आप बारहवीं पास हैं या फिर ग्रेजुएट फ्रेशर हैं तो आप इस क्षेत्र में आसानी से अपना कदम बढ़ा सकते हैं। कॉल सेंटर एक ऐसा क्षेत्र है, जो युवाओं को इन दिन काफी पसंद आ रहा है। उच्च शिक्षा की प्रतिबद्धता ना होने और अच्छा परफार्म करने पर सैलरी के अलावा इंसेंटिव जैसी कई सुविधाएं युवाओं को आकर्षित करती हैं। एक कॉल सेंटर पर्याप्त दूरसंचार सुविधाओं, इंटरनेट और व्यापक डेटाबेस तक पहुंच के साथ एक सेवा केंद्र है, जो प्रशिक्षित कर्मियों के माध्यम से देश या विदेश में ग्राहकों को आवाज आधारित या वेब-आधारित जानकारी और सहायता प्रदान करता है। इस क्षेत्र का एक दूसरा लाभ यह है कि बैंकिंग, उपयोगिताओं, विनिर्माण, सुरक्षा, बाजार अनुसंधान, फार्मास्यूटिकल्स, कैटलॉग बिक्री, ऑर्डर डेस्क, ग्राहक सेवा, तकनीकी प्रश्न (हेल्प डेस्क), आपातकालीन प्रेषण, क्रेडिट संग्रह, खाद्य सेवा, एयरलाइन/होटल सहित व्यवसाय के सभी क्षेत्रों में कॉल सेंटर मौजूद हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में जॉब व ग्रोथ के अवसर काफी अधिक हैं।

व्यक्तिगत स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए आपकी अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इसके अलावा कंप्यूटर का ज्ञान, टाइपिंग स्पीड, मार्केटिंग स्किल्स, बेहतरीन कम्युनिकेशन व लिसनिंग स्किल्स इस क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक है। इतना ही नहीं, आपमें धैर्य, विनम्र, अच्छा स्वभाव व बुद्धिमान भी होना चाहिए। दरअसल, कई बार कॉल सेंटर के दौरान सामने वाला व्यक्ति अपना धैर्य खो देता है, ऐसे में कस्टमर सर्विस ऑफिसर को धैर्य का परिचय देना होता है। इसके अलावा इंटरनेशनल कॉल सेंटर्स में आपको विषम घंटों में काम करना पड़ता है। इसके लिए आपको मानसिक रूप से तैयार होना पड़ता है।

शैक्षणिक योग्यता

एक कॉल सेंटर में कस्टमर सर्विस ऑफिसर बनने के लिए आपको किसी विशेष एजुकेशनल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं होती है। अगर आप बारहवीं पास हैं या फिर ग्रेजुएट फ्रेशर हैं तो आप इस क्षेत्र में आसानी से अपना कदम बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा गृहिणियों व सेवानिवृत्त व्यक्ति के लिए भी यह अच्छा विकल्प है। इसके लिए आप थोड़ी प्रोफेशनल टेनिंग के बाद आसानी से जॉब प्राप्त कर सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

भारत में कॉल सेंटर के लिए बहुत स्कोप है। वर्तमान में भारत में लगभग हर बड़ी कपंनी के अपने अलग कॉल सेंटर्स मौजूद हैं। इसके अलावा, कई अंतरराष्टीय कंपनियों के कॉल सेंटर्स भी भारत में मौजूद हैं, जिसके चलते यहां पर हमेशा ही कॉल सेंटर ऑपरेटर की जरूरत रहती है। इस क्षेत्र में उन्नति के भी काफी अवसर है। तीन से चार साल बतौर कॉल सेंटर ऑपरेटर काम करने के बाद आप कॉल सेंटर सुपरवाइजर या बतौर मैनेजर काम कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आप कहां पर जॉब कर रहे हैं। मसलन, डोमेस्टिक कॉल सेंटर में आपको शुरूआती दौर में 10000 से 15000 रूपए प्रतिमाह मिल सकता है। वहीं, इंटरनेशनल कॉल सेंटर्स के लिए आपकी सैलरी 25000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। इसके अलावा अच्छा कार्य करने पर व्यक्ति को अतिरिक्त बोनस भी मिलता है।

रेडियोलॉजी टेक्नीशियन की है बहुत मांग

दुनिया के सभी देशों में हेल्थ सेक्टर के स्पेशलिस्ट भारी डिमांड में रहते हैं और इन्हीं स्पेशलिस्ट में से एक नाम रेडियोलॉजी टेक्नीशियन का भी आता है। सामान्य तौर पर डॉक्टरी का मतलब लोग एमबीबीएस डॉक्टर, नर्स इत्यादि ही समझते हैं, किंतु अब यह फील्ड बहुत ब्रॉड हो गया है। हेल्थ सेक्टर हमेशा से ही सर्वोपरि रहा है। इसकी इंपॉर्टेंट हमेशा रही है। ना किसी एक देश में, बल्कि दुनिया के सभी देशों में हेल्थ सेक्टर के स्पेशलिस्ट भारी डिमांड में रहते हैं और इन्हीं स्पेशलिस्ट में से एक नाम रेडियोलॉजी टेक्नीशियन का भी आता है। सामान्य तौर पर डॉक्टरी का मतलब लोग एमबीबीएस डॉक्टर, नर्स इत्यादि ही समझते हैं, किंतु अब यह फील्ड बहुत ब्रॉड हो गया है। आप यूं समझ लें कि पहले डॉक्टर आप की नब्ज देख कर ही दवाएं दे दिया करते थे, बहुत बार तो अंदाजे पर ही दवा देते थे, किंतु अब छोटी से छोटी बात के लिए तुरंत एक्सरे, ईसीजी, ब्लड टेस्ट इत्यादि कराया जाता है। बता दें कि एक्सरे करने वाले स्पेशलिस्ट ही रेडियोलॉजी टेक्नीशियन कहलाते हैं। जाहिर तौर पर हर जगह इनकी भारी डिमांड है। चाहे कोई बड़ा शहर हो, चाहे कोई टियर 2 का शहर हो, चाहे कोई छोटा शहर या कस्बा ही क्यों ना हो, रेडियोलॉजी टेक्नीशियन की डिमांड हर जगह बढ़ी है और इसीलिए इसे कॅरियर की संभावनाओं के लिहाज से एक चमकता हुआ क्षेत्र माना जाता है। अगर आप भी इससे संबंधित कोर्स करना चाहते हैं तो यकीन मानिये कि यह बेहतर डिसीजन है और इसे पूरा करने के बाद आप किसी भी जॉब के मोहताज नहीं होंगे और खुद का बिजनेस तक कर सकते हैं। वैसे जॉब की भी इस सेक्टर में कमी नहीं है, न केवल देश में बल्कि विदेश में भी! अलग अलग डायग्नोस के लिहाज से शरीर के तमाम अंगों का एक्सरे किया जाता है और रेडियोलॉजिस्ट केवल यही नहीं करता है, बल्कि मरीज और उसके आसपास स्थित लोगों पर खतरनाक रेडियो एक्टिव रेज साइड इफेक्ट ना डाले, इसका भी बहुत खास ध्यान रखते हैं। वैसे आजकल तो एक्सरे इत्यादि के लिए अलग लैब होती है, जहाँ सामान्य जनों का जाना अलाऊ नहीं होता है। साथ ही मरीजों के रिकॉर्ड को मेंटेन करना भी इस क्षेत्र में बेहद जरूरी होता है, अत: इसके लिए आपको एक ट्रेंड कंप्यूटर जानने वाले व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट रखना पड़ता है। चूंकि यह मेडिकल से जुड़ा क्षेत्र ही है, तो डॉक्टरी पैसे में आवश्यक समर्पण और सेवा भाव ही आपको लोगों के बीच लोकप्रिय बना सकता है। साथ ही कम्युनिकेशन स्किल और पॉजिटिव एटीट्यूड तो दुनिया में कहीं भी सफल होने के लिए आवश्यक चीज है ही! इसके लिए कोर्स की बात करें तो आप इसमें सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री के साथ मास्टर भी कर सकते हैं। बैचलर आफ रेडियो इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बीएससी इन मेडिकल रेडियोलॉजी, डिप्लोमा और 1 वर्षीय पीजी डिप्लोमा इन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी इत्यादि कोर्सेज इस फील्ड में कराए जाते हैं। अगर योग्यता की बात करें तो आपके पास सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स के लिए पीसीबी यानी फिजिक्स केमिस्ट्री और बायोलॉजी में 50% का मार्क होना आवश्यक है। वहीं अगर आप ग्रेजुएट हैं तो आप रेडियोलॉजी में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। खास बात यह है कि आपका कोर्स जैसे ही आपका कंप्लीट होगा, आपको तमाम अस्पताल, हॉस्पिटल्स, डायग्नोस्टिक सेंटर जॉब देने के लिए तैयार मिलेंगे। हालांकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ कॉन्फिडेंस होने पर आप अपना कार्य भी शुरू कर सकते हैं।

भारतीय हॉकी टीम की फाइनल में एंट्री, साउथ कोरिया को 5-3 से दी मात

हांगझोऊ, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मैच में साउथ कोरिया को 5-3 से मात देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत के लिए हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह और ललित उपाध्याय ने पहले क्वार्टर में ही तीन गोल दागे। दूसरे क्वार्टर में कोरिया की तरफ से 17वें और 20वें मिनट में दो गोल करके भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। हालांकि, भारत ने पलटवार करते हुए 24वें मिनट में बढ़त बनाई। और अमित रोहिदास ने गोल दाग दिया।

वहीं इस बीच कोरिया के लिये जुंग ने फिर 47वें मिनट में गोल कर दिया। शानदार फॉर्म में चल रहे अभिषेक ने 54वें मिनट में गोल करके भारत की जीत पर मुहर लगा दी। पूल चरण में पांच मैचों में 58 गोल करने वाली भारतीय टीम ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में कोरियाई हाफ में ही सारा खेल हुआ और हरमनप्रीत सिंह की टीम ने उनके डिफेंस को छिन्तर बितर कर दिया। हार्दिक ने पांचवें मिनट में ही

भारत को बढत दिलाई जब ललित का शुरूआती शॉट नाकाम रहने के बाद उसने रिबाउंड पर गोल किया।

तीन मिनट बाद मनदीप सर्कल के भीतर खाली पड़े गोल में गेंद लेकर दौड़े लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया। भारत के लिये दूसरा गोल मनदीप ने गुरजंत के पास पर 11वें मिनट में किया जो टूर्नामेंट में उनका दसवां गोल था। भारत को 13वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर हरमनप्रीत गोल नहीं कर सके। ललित ने पहले क्वार्टर के आखिरी मिनट में हरमनप्रीत की रिवर्स हिट कोरियाई गोलकीपर द्वारा बचाये जाने के बाद रिबाउंड पर तीसरा गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में कोरियाई टीम ने जवाबी हमले बोलकर दो गोल कर डाले। दूसरे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में कोरिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे जुंग ने वैरिएशन के जरिये गोल में बदला। तीन मिनट बाद उन्होंने अपनी टीम के लिये दूसरा गोल किया। दो गोल गंवाने के बाद सकते में आई भारतीय टीम के लिये रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर चौथा गोल दागा। कोरिया के लिये तीसरा गोल भी पेनल्टी कॉर्नर पर जुंग ने किया। अभिषेक ने आखिरी सीटी बजने से छह मिनट पहले गोल करके भारत की जीत पर मुहर लगा दी।

भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पीएम मोदी का बयान, कहा- भारत पहले से कहीं अधिक चमक रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एशियाई खेलों में 71 पदक जीतकर भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि खेलों में भारत अब पहले से कहीं अधिक चमक रहा है।

प्रधानमंत्री ने इस उपलब्धि को पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एशियाई खेलों में भारत पहले से कहीं अधिक चमक रहा है। 71 पदकों के साथ, हम अपने सर्वश्रेष्ठ पदक तालिका का जश्न मना रहे हैं, जो हमारे एथलीटों के अद्वितीय समर्पण, धैर्य और खेल भावना का प्रमाण है।'' उन्होंने कहा, ''प्रत्येक पदक कड़ी मेहनत और जुनून की जीवन यात्रा पर प्रकाश डालता है। पूरे देश के लिए गर्व का क्षण। हमारे एथलीटों को बधाई।''

हांगझोउ में भारतीय दल ने बुधवार को एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 70 पदकों के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जकार्ता और पालेमबांग में 2018 एशियाई खेलों में आया था जब देश के एथलीटों ने 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य सहित 70 पदक जीते थे।

ओजस देवताले-ज्योति सुरेखा ने तीरंदाजी में जीता स्वर्ण पदक

हांगझोऊ, एजेंसी

ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम की भारतीय जोड़ी ने एशियाई खेलों की तीरंदाजी की कंपाउंड मिश्रित युगल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने कोरिया गणराज्य को फाइनल में 158-155 से हराकर एशियाई खेलों की कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा अपने नाम की है। भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने कड़े मुकाबले में कोरिया गणराज्य के सो चैवोन और जू जाहून को हराया। बुधवार (3 अक्टूबर) को कंपाउंड तीरंदाजी में गोल्ड मेडल जीतने के साथ, भारत ने एक ही संस्करण में अपने सर्वाधिक 16 स्वर्ण पदकों की बराबरी भी कर ली है। इससे पहले भारत ने एशियन गेम्स 2018 में सबसे ज्यादा 16 गोल्ड मेडल जीते थे।

चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज ज्योति और ओजस की जोड़ी ने फाइनल में दक्षिण कोरिया के सो चायवान और जू जायेहून के हराकर स्वर्ण पदक जीता। मुकाबले में ज्योति वेन्नम और ओजस देवताले ने 159 का स्कोर किया। जबकि कोरियाई जोड़ी ने 158 का स्कोर किया। भारतीय जोड़ी के सामने कोरियाई जोड़ी टिक नहीं सकी और मुकाबला हार गई। इस पदक जीतने के साथ ही

भारत ने एशियाई में एक बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है।

एशियन गेम्स में भारत ने रचा इतिहास, तोड़ दिया अपना पिछला रिकॉर्ड

इससे पहले भारतीय तीरंदाज ज्योति और ओजस ने सेमीफाइनल में कजाखस्तान की आदेल झेशेनबिनोवा और आंद्रे त्युत्युन की जोड़ी को को 159-154 से हराते हुए स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया था। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया की जोड़ी मोहम्मद जुवैदी बिन माजुकी और फातिन नूरफतेहाह मेट सालेह को मात दी थी।

मंजू और राम बाबू को 35 किमी पैदल चाल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक

भारत के पैदल चाल खिलाड़ियों मंजू रानी और राम बाबू ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों की 35 किमी पैदल चाल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। राम बाबू चौथे जबकि मंजू छठे स्थान पर रहीं।दोनों ने कुल तीसरे स्थान के साथ कांस्य पदक जीता। भारत की यह जोड़ी चीन और जापान से पीछे रही जिन्होंने क्रमश-स्वर्ण और रजत पदक जीते।

दीपिका-हरिंदर की जोड़ी मिश्रित युगल स्क्वाश फाइनल में

हांगझोऊ, एजेंसी

भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम सिर्फ नौ मिनट में जीता जबकि तीसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और यह गेम 15 मिनट चला। सेमीफाइनल के दौरान ली का यी के शॉट पर गेंद हरिंदर के चेहरे पर भी लगी। दीपिका पल्लकील और हरिंदर पाल सिंह संधू की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हांगकांग की जोड़ी को हराकर एशियाई खेलों के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी ने ली का यी और वोंग ची हिम की हांगकांग की जोड़ी को सेमीफाइनल में 7-11 11-7 11-9 से शिकस्त दी। अनुभवी दीपिका और हरिंदर ने सेमीफाइनल मुकाबले का पहला गेम गंवा दिया था लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए अगले दो गेम जीतकर मुकाबले को 38 मिनट में जीतने में सफल रहे। भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम सिर्फ नौ मिनट में जीता जबकि तीसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और यह गेम 15 मिनट चला। सेमीफाइनल के दौरान ली का यी के शॉट पर गेंद हरिंदर के चेहरे पर भी लगी।

भारतीय पुरुषों का कबड्डी में दबदबा जारी, थाईलैंड को 63-26 से हराया

सात बार के चैंपियन भारत ने बुधवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के ग्रुप ए में थाईलैंड के खिलाफ 63-26 की आसान जीत दर्ज की। जकार्ता में 2018 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम की नजरें एक बार फिर एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक पर हैं।

भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए मध्यांतर तक 37-9 की बढ़त बनाई। भारत ने मुकाबले की शुरुआत में कुछ मिनटों में ही थाईलैंड की टीम को पहली बार 'ऑल आउट' कर दिया।

भारत ने जल्द ही दूसरी बार भी थाईलैंड की टीम को 'ऑल आउट' किया। थाईलैंड के प्रमोत साइसिंग अंतिम खिलाड़ी बचे थे और जब वे रेड के लिए गए तो भारतीय टीम ने तीसरी बार 'ऑल आउट' किया।

भारत ने दूसरे हाफ में चौथी बार थाईलैंड को 'ऑल आउट' करके 53-17 की बढ़त बनाई। थाईलैंड ने दूसरे हाफ में वापसी की कोशिश की लेकिन भारत ने यह हाफ 26-17 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम ने मंगलवार को अपने पहले मैच में बांगलादेश को 55-18 से हराया था।

दीपिका चिखलिया बोलीं- चाहूं तो कई वेब सीरीज कर लूं लेकिन...

इन दिनों दीपिका चिखलिया टोपीवाला सीरियल 'धरतीपुत्र नंदिनी' में काम कर रही हैं। वे शो की प्रोड्यूसर भी हैं। सुमित्रा के किरदार में लोकप्रिय हो रहीं दीपिका के लिए यह शुरुआत में चैलेंजिंग रहा। इतना सब करने के बावजूद आज भी लोग उन्हें

'रामायण' की सीता के रूप में ही जानते हैं, जो उनके लिए एक अलग तरह का संघर्ष रहा। सीता का रोल निभाने से पहले भी दीपिका ने 10 वर्षों तक काफी संघर्ष किया, जिसके बारे में कम लोगों ही पता होगा। दीपिका ने अपने नए शो के बारे में से खास बातचीत की है।

दीपिका ने कहा कि वो चाहे तो आराम से किसी वेब सीरीज में काम कर सकती हैं, लेकिन उनकी सीता की इमेज इस बात की इजाजत नहीं देती। दीपिका के मुताबिक, वेब सीरीज वगैरह में काफी गाली-गलौज और आपत्तिजनक भाषाओं का प्रयोग होता है, इसलिए ऐसे शोज में वे काम नहीं कर सकतीं।

'धरतीपुत्र नंदिनी' के लिए किस तरह की प्रतिक्रिया मिल रही हैं?

बहुत ही अच्छी टीआरपी आई है। इस वक्त हमारा शो बेस्ट चल रहा है। बहुत खुशी हुई। मैंने सबसे यही कहा था कि टेलीविजन पर मेरी वापसी 30 साल बाद हुई है, प्लीज हमारा शो देखिएगा। जिस तरह मुझे 'रामायण' में देखा था और पसंद किया था, वैसे ही इस बार मेरे खुद के प्रोडक्शन में बन रहे 'धरतीपुत्र नंदिनी' में देखिएगा।

प्रोड्यूसर और एक्टिंग की दोहरी जिम्मेदारी किस तरह से महसूस करती हैं?

जिम्मेदारी की बात तो पूछो ही मत, क्योंकि अब पता चला है कि प्रोडक्शन की जिम्मेदारी क्या होती है वरना अब तक सेट पर जाने की बहुत खुशी होती थी। मेकअप लगाओ, अच्छे से कपड़े पहन लेती थी, हमें डायलॉग दिए जाते थे, कैरेक्टर में घुसकर लाइनें बोलनी होती हैं। पिछले 35 वर्षों से बतौर एक्टर काम कर रही हूं, इसलिए मेरे लिए एक्टिंग करना बहुत आसान है, लेकिन प्रोडक्शन के अंतर्गत सीरियल बनाना और एक्ट करना, मेरे लिए टफ जर्नी रही है।

आप विक्रम और बेताल जैसे सुपरहिट शो में काम कर चुकी हैं। यहां तक पहुंचने में कितना संघर्ष करना पड़ा?

मेरे करियर का लास्ट बॉडी का वर्क जो है, वह रामायण है। इससे पहले इंडस्ट्री में मेरे 10 साल गए हैं। मैं बहुत छोटी थी, जब बतौर हीरोइन पहली फिल्म सुन मेरी लैला की थी। राजश्री प्रोडक्शन की यह फिल्म इतनी खास नहीं चली। उसके बाद मैंने दो-तीन गेस्ट अपीरियंस रोल किया। बहुत सारी रीजनल पिक्चर्स की। मैं अच्छी चीजों का इंतजार कर रही थी, क्योंकि पता था कि मेरे जीवन में कहीं न कहीं कुछ अच्छा लिखा है।

'सुन मेरी लैला' और 'रामायण' के बीच 10 वर्षों का सफर रहा। इस दौरान संघर्ष का कोई किस्सा बताइए?

उन दिनों बड़ा सिंपल था। उस जमाने में काम पाना फिर भी आसान था। ऑडिशन नहीं होते थे। प्रोड्यूसर-डायरेक्टर एक साइनिंग अमाउंट देकर फिक्स कर देते थे। रोल पसंद आने पर हम साइन कर लेते थे वरना आगे बढ़ जाते थे।

बड़े पर्दे पर अभिनय का जलवा दिखाएंगे गजल गायक तलत अजीज

देश में जब भी गजलों की बात होती है तो तलत अजीज का नाम जरूर लिया जाता है। वह भारत के सबसे अधिक पहचाने जाने वाले गायकों में से एक हैं। गायकी के अलावा वह हाल ही में ओटीटी के कई शोज पर अपनी अदाकारी दिखाते हुए नजर आए थे। मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर के साथ गुलमोहर और साथ ही स्कैम 2003- द तेल्गी स्टोरी में वह अपने अभिनय का जादू चला चुके हैं। इस बीच अब खबर आ रही है कि वह बड़े पर्दे पर ऋतिक रोशन के साथ फाइटर में उनके पिता की भूमिका में नजर आएंगे। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार तलत अजीज सिद्धार्थ आनंद की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा में ऋतिक रोशन के पिता के रोल में दिखेंगे। फिल्म में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए गजल गायक ने कहा कि यह एक शानदार अनुभव था। उन्होंने कहा कि फिल्म में उनके और ऋतिक के बीच कुछ बहुत अच्छे और गर्मजोशी भरे दृश्य हैं। अजीज को यकीन है कि लोगों को उनकी और ऋतिक के बीच पिता-पुत्र की केमिस्ट्री पसंद आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अभिनेता के साथ उनके दृश्यों में दीपिका पादुकोण भी थीं। गायक ने यह भी बताया कि उन्हें अभिनय के कई प्रस्ताव मिल रहे हैं और वह अपने संगीत और अभिनय के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बातचीत में उन्होंने साझा किया कि वह केवल उन्हीं एक्टिंग प्रोजेक्ट को चुनते हैं जो उनकी संवेदनाओं के अनुरूप हों और जिनके साथ वह न्याय कर सकें।

कोंकणा सेन ने किया वेक अप सिड के सीक्वल की ओर इशारा!

कोंकणा सेन शर्मा और रणबीर कपूर की फिल्म वेक अप सिड लोगों की पसंदीदा फिल्मों में से एक बनी हुई है। यह 2009 में रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया था। आज, वेक अप सिड ने अपनी रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म में आयशा की भूमिका निभाने वाली कोंकणा सेन ने अब इसके सीक्वल के बारे में बात की है।

फिल्म के सीक्वल पर क्या बोलीं कोंकणा

हाल ही में दिए इंटरव्यू में कोंकणा ने इस बारे में बात की कि सिड और आयशा का भविष्य कैसा होगा और उन्होंने कहा, वास्तविक रूप से क्योंकि हर किसी के जीवन में एक बड़ा रोमांस होता है। हर कोई अपने पहले प्यार से शादी नहीं करता है, जो अच्छी या बुरी बात हो सकती है। इसके अलावा, अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें लगता है कि अगर कोई सीक्वल आता है तो यह देखना मजेदार होगा।

कैसा होगा फिल्म का सीक्वल

कोंकणा ने कहा, वे अन्य लोगों के साथ हैं और वे फिर से मिलते हैं। उनके बीच एक दिलचस्प बातचीत होती है। सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त से पहले का पूरा दृश्य दिलचस्प होगा। इसके साथ ही कोंकणा ने रणबीर कपूर के साथ अपनी पहली बातचीत को भी याद किया, जिन्होंने फिल्म में सिड की भूमिका निभाई है। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी पहली मुलाकात रिहर्सल के दौरान हुई थी और यह एक आसान समीकरण था।

रणबीर के साथ कोंकणा की पहली मुलाकात

कोंकणा ने कहा, मुझे लगता है कि यह रिहर्सल रहा होगा न कि शूटिंग का पहला दिन। अयान तैयारी में अच्छे थे। इसका श्रेय उन्हें जाता है, क्योंकि उन्होंने किरदारों को लिखने और उन्हें जीवंत बनाने का बहुत शानदार काम किया। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म वेक अप सिड में कोंकणा सेन और रणबीर कपूर के साथ साथ अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक और राहुल खन्ना सहित अन्य सितारे भी मुख्य भी भूमिकाओं में थे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में रामलीला मैदान के पास हत्या, चाकुओं से गोदने के बाद कुचल दिया सिर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रामलीला मैदान के पास एक युवक की क्रूरता से हत्या कर दी गई है। 25 साल के दीपक को कुछ अज्ञात युवकों ने पहले चाकुओं से गोदा और फिर पत्थर से उसका सिर कुचल दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। दीपक को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने केस दर्ज करके घटना की जांच शुरू कर दी है। हत्यारों की तलाश की जा रही है। दिल्ली में अपराध की एक के बाद एक घटनाएं हो रही हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। अब दिल्ली के केंद्र में मौजूद रामलीला मैदान के पास वारदात को अंजाम दिया गया है। चहल-पहल वाले इलाके में इस तरह हत्या के बाद आरोपी आराम से फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से हमलावरों की पहचान की कोशिश में जुटी है। एक सीसीटीवी फुटेज में हमलावर दीपक की हत्या करते दिख रहे हैं। दीपक खुद को बचाने की भरसक कोशिश करता है, लेकिन आरोपी उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला करते हैं। जख्मी होकर दीपक जमीन पर गिर पड़ता है। इसके बाद आरोपी वहां पड़े पत्थर के स्लैब को उठाकर उसे सिर पर पटक देते हैं। उसके चेहरे को बुरी तरह कुचल दिया गया। अभी यह पता नहीं चला है कि किस वजह से इस वारदात को अंजाम दिया गया।

चीनी फंडिंग मामले में अरेस्ट प्रबीर और अमित चक्रवर्ती कोर्ट में पेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने चीन से फंडिंग मामले में मंगलवार को ऑनलाइन न्यूज पोर्टल 'न्यूजक्लिक' के दफ्तर की तलाशी ली। इसके बाद पोर्टल के प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया गया। इन दोनों को बुधवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया गया। जहां से इन्हें सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। पुलिस ने डिजिटल उपकरणों, दस्तावेजों आदि को जांच के लिए जब्त कर लिया था। पुलिस की स्पेशल सेल ने समाचार पोर्टल और उसके पत्रकारों से जुड़े 30 ठिकानों की तलाशी ली थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिन पत्रकारों से पूछताछ की गई उनमें कई वरिष्ठ नाम शामिल हैं। इन पत्रकारों के संपर्क में रहे एक इतिहासकार को भी पूछताछ के दायरे में रखा गया। सूत्रों के मुताबिक, इनसे पुलिस ने उनकी विदेश यात्रा, उनके बैंक खातों में भेजी गई रकम के अलावा कुछ संवेदनशील मुद्दों पर सवाल पूछे। इसमें शाहीन बाग के विरोध-प्रदर्शन के साथ-साथ किसान आंदोलन सहित विभिन्न मुद्दों से संबंधित करीब 25 प्रश्न पूछे गए। पोर्टल के साथ सलाहकार के रूप में जुड़े पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता ने एक्स पर लिखा कि गुरुग्राम में मेरे घर आए नौ पुलिसकर्मियों ने कई सवाल पूछे। उन्होंने कहा, मैं स्वेच्छा से उनके साथ विशेष प्रकोष्ठ आया था। यहां आने के बाद मुझे पता चला कि यूएपीए के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने न्यूजक्लिक से जुड़े पत्रकारों पर छापेमारी की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की कार्रवाई सत्ता के सामने सच बोलने वाले लोगों के खिलाफ है। यह कार्रवाई नफरत और विभाजन फैलाने वालों के खिलाफ नहीं है। विपक्षी गठबंधन ने एक बयान में कहा कि सरकार ने पूंजीपतियों द्वारा मीडिया संगठनों पर कब्ज़ा करने की सुविधा देकर समाचार संगठनों को अपने वैचारिक हितों के लिए मुखपत्र में बदलने की भी कोशिश की है। बयान में कहा गया कि सरकार और उसके वैचारिक रूप से जुड़े संगठनों दोनों ने सत्ता के सामने सच बोलने वाले व्यक्तिगत पत्रकारों के खिलाफ प्रतिशोध का सहारा लिया।

दिल्ली में 80 फीसदी महिलाएं बस स्टॉप पर करती हैं अपमान का सामना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 82 फीसदी महिला यात्रियों ने निर्धारित बस स्टॉप में उनके लिए बसें न रुकने की घटनाओं का सामना किया है। हाल ही में एक एनजीओ की सर्वे रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इस सर्वे में 500 महिलाओं ने हिस्सा लेते हुए अपने जवाब दिए हैं। जिसके बाद एनजीओ ने सर्वे रिपोर्ट के आधार पर राजधानी में सिर्फ महिलाओं के लिए आधारित बसें चलाने का सुझाव दिया है। इसके अलावा 91.6 फीसदी महिलाओं की मांग है कि दिल्ली में सिर्फ महिलाओं के लिए ही बसें शुरू की जाएं। पर्यावरण के लिए काम कर रही ग्रीनपीस इंडिया एनजीओ ने मंगलवार को नई दिल्ली में यह रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट का मुख्य शीर्षक - राजधानी में महिला बस यात्रियों के लिए बस स्टॉप पर बसें रुकने पर रखा गया था। 29त्न ने बस स्टॉप पर बसें न रुकने की घटनाओं का किया सामना। 50.2 फीसदी महिलाओं ने कभी-कभी ही ऐसा अनुभव किया। 54.2 फीसदी महिलाओं ने बसों में भेदभाव का सामना किया। एनजीओ के अभियान प्रबंधक अविनाश चंचल ने कहा कि इस रिपोर्ट के निष्कर्ष एक गहरी चिंता का विषय हैं। दिल्ली में महिला बस यात्रियों के सामने आने वाली लगातार चुनौतियों को रिपोर्ट उजागर करती है। यह परेशान करने वाला है कि हर दूसरी महिला बस यात्री को मुफ्त बस योजना को लेकर भेदभाव का सामना करना पड़ा है। महिलाओं के लिए समर्पित बस स्टॉप पर बसें रुकना सुनिश्चित करें। सुरक्षित बस स्टॉप और बेहतर बस क्यू शेल्टर बनाए जाएं।

केजरीवाल का साथी बने सरकारी गवाह, सीएम इस्तीफा दें; संजय सिंह ईडी के ऐक्शन के बाद लगे पोस्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के घर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के बाद से हड़कंप मचा हुआ है। ईडी ने यह छापेमारी शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। इधर आप सांसद पर ईडी की इस छापेमारी के बाद अब दिल्ली में होर्डिंग लगाए गए हैं। दरअसल दिल्ली में कुछ होर्डिंग लगाए गए हैं और इसके जरिए सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग उठाई गई है। बताया जा रहा है कि यह होर्डिंग आइटीओ और आम आदमी पार्टी के दफ्तर के नजदीक लगाए गए हैं। इसमें लिखा गया है कि शराब घोटाले के सरगना केजरीवाल के साथी बने सरकारी गवाह। केजरीवाल इस्तीफा दो।

बता दें कि इससे पहले बुधवार की सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले के संबंध में आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह के परिसरों पर छापे मारे। बताया जा रहा है कि इस मामले में संजय सिंह के अलावा कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर भी छापे मारे गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में संजय सिंह के स्टाफ से भी पूछताछ की थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी के नेताओं ने ईडी की इस कार्रवाई का विरोध किया है। आप सांसद संजय सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी पर दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने कहा, पिछले 15 महिनों से ईडी, सीबीआइ की जांच, छापेमारी चल रही है। मेरे ख्याल से पूरे देश भर में 1,000 से अधिक छापेमारी हो चुकी है। कई लोगों को गिरफ्तार किया गया लेकिन आज तक एक चवन्नी नहीं मिली। यह इस बात का संकेत दे रहा है कि भाजपा और प्रधानमंत्री अगला चुनाव हार रहे हैं। सारी रिपोर्ट इसका संकेत दे रही हैं। हार की बौखलाहट है जिसमें आज संजय सिंह के यहां छापेमारी हो रही है। कल जिस तरह से पत्रकारों पर हुआ वह भी इसका संकेत दे रहा है कि किसी तरह से जो भी सत्ता के खिलाफ आवाज है उसको डरा-धमका कर छापे मारकर चुप करा दिया जाए। राजनीति लोकतंत्र के खिलाफ है। भाजपा को जनता पर भरोसा होना चाहिए। एजेंसियों का दुरुपयोग कर, लोगों की आवाज बंदकर आप चुनाव जीतेंगे ऐसा इतिहास कभी नहीं बताता।

रैफिक पुलिस से भिड़ने वाले पिंकी चौधरी पर गुंडा एक्ट, चालान कटने पर भड़के थे हिंदू रक्षा दल अध्यक्ष

नईदिल्ली, एजेंसी। हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी पर पुलिस ने गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। सोमवार को पिंकी चौधरी के खिलाफ गाजियाबाद के नंदग्राम थाने में ट्रैफिककर्मी से अभद्रता और टीला मोड़ थाने में हिंदू धर्म पर टिप्पणी करने का केस दर्ज हुआ था। सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी और उनके समर्थक राजनगर एक्सटेंशन में एक ट्रैफिककर्मी से भिड़ते नजर आ रहे थे। तल्ख लहजे में अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक को मौके पर बुलाने की बात कही थी। ट्रैफिककर्मी की शिकायत पर नंदग्राम पुलिस ने पिंकी चौधरी और उनके समर्थकों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था। इसके अलावा शालीमार गार्डन क्षेत्र में भी पिंकी चौधरी का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते दिखे। इस पर सोमवार को ही टीला मोड़ पुलिस ने पिंकी चौधरी के खिलाफ केस दर्ज किया था। साहिबाबाद पुलिस ने पिंकी चौधरी के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। साहिबाबाद थानाक्षेत्र के राजेंद्र नगर सेक्टर-तीन में रहने वाले पिंकी चौधरी को पुलिस ने शातिर किस्म का अपराधी बताया है। पुलिस ने गुंडा अधिनियम के चार्ट में पिंकी चौधरी पर दर्ज टीला मोड़, साहिबाबाद, नंदग्राम तथा कविनगर में दर्ज भड़काऊ बयानबाजी, सरकारी कार्य में बाधा, तोड़फोड़ तथा क्रिमिनल लॉ अमेंटमेंट एक्ट की धाराओं में दर्ज चार मुकदमों का हवाला दिया है।

दिल्ली में ज्वैलरी शॉप से कैसे उड़ाए 20 करोड़ के गहने, महाचोर उगलेगा राज

नईदिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की एक अदालत ने दिल्ली में ज्वैलरी शॉप से 20 करोड़ रुपए के आभूषण चोरी के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी लोकेश श्रीवास को तीन दिनों के लिए दिल्ली पुलिस की ट्रांजिट रिमांड में भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार दुबे की अदालत ने आभूषण चोरी के मामले में गिरफ्तार लोकेश श्रीवास को तीन दिनों के लिए दिल्ली पुलिस की ट्रांजिट रिमांड में भेजा। अब दिल्ली पुलिस उससे वारदात के बारे में सघन पूछताछ करेगी। लोकेश श्रीवास के खिलाफ नई दिल्ली में एक आभूषण की दुकान से लगभग 20 करोड़ रुपये के आभूषणों की चोरी और बिलासपुर शहर में कई चोरियों में शामिल होने का आरोप है। सिविल लाइंस पुलिस थाने के प्रभारी प्रदीप आर्य ने बताया कि पिछले सप्ताह शुक्रवार को गिरफ्तार आरोपी श्रीवास को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया। आरोपी श्रीवास तीन अक्टूबर तक बिलासपुर में पुलिस हिरासत में था। आर्य ने बताया कि अदालत ने दिल्ली पुलिस को आरोपी श्रीवास के लिए तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड की मंजूरी दे दी है। अदालत ने दिल्ली पुलिस को एक ज्ञापन देते हुए कहा कि तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड के बाद अगले सात दिनों के भीतर दिल्ली पुलिस अपनी जांच-पड़ताल पूरी कर आरोपी श्रीवास को बिलासपुर में पेश करेगी। बिलासपुर, दिल्ली, दुर्ग और रायपुर पुलिस ने संयुक्त रूप कार्रवाई कर श्रीवास को शुक्रवार को दुर्ग जिले से गिरफ्तार किया था।

लोकेश श्रीवास के कब्जे से लगभग 12 करोड़ रूपए के सोने और हीरे के आभूषण तथा 12 लाख 50 हजार रुपए नगद बरामद किया गया था। इससे पहले पुलिस ने श्रीवास के साथी शिवा चंद्रवंशी को बृहस्पतिवार को कवर्धा शहर से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने चंद्रवंशी से सोने और चांदी के आभूषण, वाहन समेत 23 लाख रुपये का सामान बरामद किया था। चंद्रवंशी को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि श्रीवास दिल्ली के भोगल इलाके में एक आभूषण की दुकान से 20 करोड़ रुपये की चोरी का भी आरोपी है। दिल्ली पुलिस के अनुसार यह चोरी राष्ट्रीय राजधानी में हुई बड़ी चोरियों में से एक है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हफ्ते की शुरुआत में आरोपी उमराव सिंह ज्वैलर्स नामक दुकान के स्ट्रांग रूम में सेंध लगाकर घुस गए और 20 करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण और पांच लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गए।

एनसीआर में एक और अवैध कॉलोनी पर मंडरा रहा खतरा, बुलडोजर चलाने की हो रही तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। एनसीआर में भूमाफिया द्वारा बसाई गई अवैध कॉलोनियों में घर खरीदने वाले लोग अब सावधान हो जाएं। अब यहां एक और अवैध आवासीय कॉलोनी पर जल्द ही बुलडोजर चलने वाले हैं। इसको लेकर अधिकारियों ने अपनी तैयारियां भी तेज कर दी हैं। अफसरों को अवैध आवासीय कॉलोनी काटे जाने की शिकायत मिली थी।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर विकास प्राधिकरण जहां दादरी तहसील के कैमराला चक्रसेनपुर गांव में टाउनशिप बसाने की योजना बना रहा है, वहां पर कॉलोनाइजर ने अवैध कॉलोनी काट दी है। इसको लेकर प्राधिकरण की एक टीम मंगलवार को एसडीम दादरी से मिली। अब तहसील प्रशासन पुलिस की मौजूदगी में अवैध कॉलोनी को ध्वस्त करने की योजना बना रहा है, ताकि प्राधिकरण की कार्य योजना को आसानी से जमीन पर उतरा जा सके।

बुलंदशहर विकास प्राधिकरण की दादरी तहसील के कैमराला चक्रसेनपुर और घोड़ी बछेड़ा गांव की 210 एकड़ जमीन पर टाउनशिप बनाने की योजना है। इस टाउनशिप को आवासीय, व्यवसायिक और औद्योगिक गतिविधियों के लिए बसाया जा रहा है। इसके लिए बुलंदशहर विकास प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण से अनापत्ति मांगी है। दरअसल, इस गांव की जमीन दोनों प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आती हैं। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण फिलहाल 4125 रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से जमीन

अधिग्रहण कर रहा है। दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग की दूसरी तरफ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अपने मास्टर प्लान के तहत कार्य कर रहा है, जबकि रेल मार्ग और जीटी रोड के बीच में इस गांव की जमीन पर बुलंदशहर विकास प्राधिकरण की योजना है। इस योजना को क्षेत्रीय कॉलोनाइजर पलीता लगा रहे हैं। बुलंदशहर विकास प्राधिकरण की एक टीम मंगलवार को दादरी एसडीएम आलोक गुप्ता और एसीपी सार्थक सेंगर से मिली। टीम ने अधिकारियों को बुलंदशहर विकास प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन में अवैध रूप से प्लॉटिंग करने की बात बताई। अब तहसील प्रशासन जिला स्तर पर उच्च अधिकारियों से बात कर अतिक्रमण को ध्वस्त करने की योजना बना रहा है। एसीपी दादरी सार्थक सेंगर ने बताया कि अवैध आवासीय कॉलोनी काटने की शिकायत मिली है। जिला प्रशासन के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चीन की परमाणु पनडुब्बी अपने ही जाल में फंसी, कैप्टन समेत 55 नौसैनिकों की मौत की आशंका

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने पीले सागर में विदेशी जहाजों के लिए जो जाल बिछाया था, उसी की परमाणु पनडुब्बी खुद उसी फंस गई। इस हादसे में उसके 55 नौसैनिकों के मौत की आशंका है। मिरर की रिपोर्ट है कि चीनी नौसेनिकों की मौत की संख्या में इजाफा हो सकता है। मरने वालों में कैप्टन, 21 बड़े अधिकारी और चालक और नौसैनिक शामिल हैं। इस हादसे पर चीन का भी बयान आया है।

ब्रिटेन की एक गोपनीय खुफ़िया रिपोर्ट के अनुसार, पनडुब्बी को एक चेन और एंकर जाल का सामना करना पड़ा। पनडुब्बी के ऑक्सीजन सिस्टम में खराबी के कारण पनडुब्बी में सवार चीनी नौसैनिकों के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया था और उनकी मौत हो गई। मृतकों में चीनी पीएलए नौसेना की पनडुब्बी 093-417 के कैप्टन और 21 अन्य अधिकारी भी शामिल हैं।

चीन ने आधिकारिक तौर पर इस घटना के घटित होने से इनकार किया है। कथित तौर पर इसने फंसी हुई पनडुब्बी के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता से भी इनकार कर दिया। यूके रिपोर्ट में इस घातक मिशन का विवरण दिया गया है, 21 अगस्त को, स्थानीय समयानुसार 08:12 बजे

पीले सागर में एक मिशन के दौरान एक जहाज पर दुर्घटना हुई, जिसके परिणामस्वरूप 22 अधिकारियों, 7 अधिकारी कैडेटों, 9 छोटे सहित 55 चालक दल के सदस्यों की मृत्यु हो गई। मृतकों में कैप्टन कर्नल जू योंग-पेंग भी शामिल थे।

अमेरिकी जहाजों को फंसाने के लिए बिछाया जाल, खुद फंस गएत्न रिपोर्ट में कहा गया है, ऐसी आशंका है कि उनकी मौत पनडुब्बी पर सिस्टम विफलता के परिणामस्वरूप हाइपोक्सिया के कारण हुई थी। पनडुब्बी चीनी नौसेना द्वारा अमेरिकी और सहयोगी पनडुब्बियों को फंसाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली चेन और एंकर बाधा से टकरा गई, जिससे सिस्टम फेल हो गया। मरम्मत के दौरान जहाज के ऑक्सीजन सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया था और दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

सार्वजनिक डोमेन पर चीन ने पनडुब्बी के संदिग्ध नुकसान की कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं है। बीजिंग ने घटना के बारे में अटकलों को पूरी तरह से गलत बताया है और ताइवान ने भी इंटरनेट रिपोर्टों का खंडन किया है।

वेनिस ओवरपास से गिरी बस, 21 लोगों की मौत

रोम, एजेंसी। इटली के नहरों वाले शहर वेनिस के पास एक बस के ओवरपास से ट्रेन की पटरियों के पास गिरने और फिर उसमें आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुये हैं, हालांकि स्थानीय मीडिया की रिपोर्टों में उनकी संख्या अलग-अलग बताई जा रही है। अनुमान है कि 12 से 40 लोग घायल हुए हैं जिनमें से कम से कम दो की हालत गंभीर है। इसके अतिरिक्त, कई अन्य के लापता होने की भी सूचना है।

मंगलवार को आई रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों की संख्या अभी भी बढ़ सकती है। घायलों का इलाज क्षेत्रीय अस्पतालों में चल रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एक बस वेनिस के मेस्त्रे क्षेत्र में वेम्पा ओवरपास पर लगी बाड़ को तोड़ते हुए लगभग 10 मीटर नीचे रेल की पटरियों के पास एक खाली क्षेत्र में गिर गई। कथित तौर पर गिरते ही बस में आग लग गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने व्यक्तिगत और सरकार की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि वह घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही हैं। रोम के क्विरिनले पैलेस ने कहा कि इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेल्ला ने वेनिस के मेयर लुइगी ब्रुगनारो को फोन करके इस त्रासदी पर दुःख व्यक्त किया है।

ब्रुगनारो ने सोशल मीडिया पर कहा, आज शाम हमारे समुदाय में एक बड़ी त्रासदी हुई। उन्होंने कहा कि बस गिरने से मरने वाले अनेकों लोगों की याद में आधिकारिक शोक का आह्वान किया गया है। ब्रुगनारो ने इसे एक सर्वनाशकारी दृश्य कहा।

वेनिस शहर ने सोशल मीडिया पर कहा कि वेम्पा ओवरपास, जहां त्रासदी हुई थी, यातायात के लिए बंद कर दिया गया है, और पुलिस तथा फायरफाइटर जीवित बचे लोगों की तलाश करने, घायलों की मदद करने और स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर हैं। किसी भी आधिकारिक स्रोत ने मरने वालों की संख्या, घायलों की संख्या या दुर्घटना के कारणों की सूचना नहीं दी है।

वैध पीयूसी के बिना गाड़ी चलाने वालों की खैर नहीं, परिवहन विभाग ने उतारी 85 टीमें; चालान के साथ होगा एक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बगैर वैध प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र (पीयूसी) के वाहन चलाने वाले सावधान हो जाएं। दिल्ली परिवहन विभाग ने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ मंगलवार से अभियान शुरू कर दिया है। यह टीम ना सिर्फ प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों बल्कि 10 साल पुराने डीजल वाहन और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी। दिल्ली में अब भी 10 फीसदी से अधिक वाहन हैं, जिनके पास वैध पीयूसी नहीं है। परिवहन विभाग अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली की अलग-अलग सड़कों खासतौर से उन मार्गों पर टीमों की तैनाती की गई है जहां पर प्रदूषण ज्यादा रहता है। प्रदूषण के लिहाज से हॉटस्पॉट चिह्नित किए गए हैं। इसके लिए परिवहन विभाग की 80 से अधिक टीमें उतारी गई हैं। यह टीम सड़कों पर वैध प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र नहीं रखने वालों का चालान तो करेगी, साथ ही उन वाहनों पर भी कार्रवाई होगी जिनके पास वैध पीयूसी तो होगा, लेकिन उनके वाहनों से साफ धुंआ निकलता दिखेगा। परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक, 10 फीसदी से अधिक वाहन हैं, जो समय पर पीयूसी की जांच नहीं कराते है।

बाली के हिन्दू मंदिर में नग्न साधना को फिल्माया, आरोपी को खोज रही पुलिस

बाली, एजेंसी। इंडोनेशिया के रिसॉर्ट द्वीप बाली में एक विख्यात हिन्दू मंदिर में विदेशी नागरिक की नग्न अवस्था में साधना का वीडियो फिल्माने का मामला सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे उस शख्स की तलाश कर रहे हैं, जिसने ऐसा कृत्य किया। हिन्दू बहुल द्वीप बाली में 90 प्रतिशत से ज्यादा हिन्दू रहते हैं। इस तरह की घटना ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस एक्टिव हुई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर ली गई है, लेकिन, उसका नाम और देश का खुलासा पकड़े जाने तक नहीं किया जाएगा। जानिए, पूरा मामला

20 करोड़ से अधिक की जनसंख्या वाले इण्डोनेशिया के हिन्दू धर्मावलंबियों में से अधिकांश बाली द्वीप में ही रहते हैं। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा,जिसमें एक विदेशी नागरिक हिन्दू मंदिर में नग्न अवस्था में साधना कर रहा है। इस घटना को फिल्माया गया है। वीडियो को सैंकड़ों बार देखा जा चुका है। बाली में लोगों के बीच बढ़ते आक्रोश के बाद पुलिस भी हरकत में आई है। उस शख्स की तलाश की जा रही है, जिसने ऐसा किया है।

इस वीडियो को बाली के प्रभावशाली व्यक्ति नी लुह जेलैंटिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। आव्रजन कार्यालय के प्रमुख टेडी रियांडी ने मंगलवार को एएफपी को दिए एक बयान में कहा, हम अभी भी इस घटना के संबंध में जांच कर रहे हैं। अधिकारियों ने विदेशी नागरिक की पहचान कर ली है लेकिन तलाश

जारी रहने के कारण उसके नाम और राष्ट्रीयता का सार्वजनिक रूप से खुलासा नहीं किया गया है।

रियांदी ने कहा, आव्रजन कार्यालय द्वारा वर्तमान में विदेशी नागरिक के सोशल मीडिया अकाउंट से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने कहा कि उसकी तलाश में बाली पुलिस के साथ समन्वय किया जा रहा है और वे अभी भी स्थान और समय का आकलन करने की कोशिश कर रहे हैं।

गौरतलब है कि पर्यटकों पर निर्भर बाली द्वीप में हर साल लाखों विदेशी पर्यटक आते हैं, लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद द्वीप के फिर से खुलने के बाद से कई हाई-प्रोफाइल मामलों में कुछ लोगों को अश्लील हरकतों के लिए निर्वासित किया गया है। इससे पहले बाली आप्रवासन ने अप्रैल में एक रूसी महिला को एक पवित्र पेड़ के सामने अपनी नग्न तस्वीर पोस्ट करने के लिए द्वीप से बाहर निकाल दिया गया था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।